हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, रविवार, 24 अगस्त 2025

तापमान
अधिकतम 36.3 डिग्री
न्यूनतम 23.9 डिग्री

11 खेलकूद प्रतियोगिता में दिखाया दमखम

12 गिरावड़ और पाकस्मा के सरकारी स्कूल में बांटे पौधे

खबर संक्षेप

यूआईईटी में कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव कल

रोहतक। मदवि के यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट सैल की ओर से जोश टेक्नोलॉजी ग्रुप का कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव 25 अगस्त (सोमवार) को सुबह साढ़े ग्यारह बजे आयोजित किया जाएगा। इस भर्ती प्रक्रिया में बीटेक, एमटेक और एमसीए के कुल 74 छात्र-छात्राएं ऑनलाइन टेस्ट में शामिल होंगे। चयनित विद्यार्थियों को 13.5 लाख रुपये वार्षिक वेतन पैकेज पर नियुक्ति दी जाएगी। यूआईईटी के प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट अधिकारी अरुण कुमार ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह अवसर विद्यार्थियों को अपने करियर की नई दिशा तय करने और उद्योग जगत से जुड़ने का सुनहरा मौका देगा।

ब्रह्माकुमारीज संस्था का रक्तदान शिविर कल

रोहतक। ब्रह्माकुमारीज आर्य नगर रोहतक सेवा केंद्र द्वारा आयोजित जाट कॉलेज में 25 अगस्त को रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह अभियान ब्रह्माकुमारीज संस्थान की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि की 18वीं पुण्यतिथि को समर्पित है, ब्रह्माकुमारीज संस्थान की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि की 18वीं पुण्यतिथि जिसे विश्व बंधुत्व दिवस के रूप में मनाया जाता है, इसके उपलक्ष्य में संस्थान द्वारा भारत एवं नेपाल में एक विशाल रक्तदान महा अभियान चलाया जा रहा है। महा अभियान का शुभारंभ 17 अगस्त को नई दिल्ली में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा द्वारा किया गया।

महावीर पार्क के पास बेकाबू पिकअप ने तीन छात्राओं सहित पांच को कुचला

■ चार घायल ट्रामा सेंटर और एक निजी अस्पताल में उपचाराधीन ■ वाहन चालक के पास नहीं था ड्राइविंग लाइसेंस

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

शहर में शनिवार को डीसी आवास के पास हुए सड़क हादसे ने एक बार फिर से यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिरकार बिना लाइसेंस और अनुभवहीन लोग कैसे बेखौफ होकर गाड़ी चलाते हैं। एक बेकाबू पिकअप ने फुटपाथ पर चढ़कर पांच लोगों को कुचल डाला, जिनमें तीन छात्राएं भी शामिल हैं। हादसे ने न केवल परिवारों को सदमे में डाल दिया बल्कि प्रशासन और पुलिस की सतर्कता पर भी प्रश्नचिह्न लगा दिया है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, गाड़ी महावीर पार्क की दीवार से टकराने से पहले करीब 50 मीटर तक लोगों को घसीटती चली गई। मौके पर मौजूद राहगीरों ने तुरंत घायलों को पीजीआई के ट्रामा सेंटर में भर्ती करवाया। तीन लड़कियों समेत चार घायलों को पीजीआई ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया, जबकि एक अन्य युवक का निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। हादसे में घायल हुए लोगों की पहचान कूरियर ब्वॉय अनिल (35), आकाश श्रीवास्तव (32), नैंसी (18), कीर्ति (22) और आरती (19) के रूप में हुई है। सभी की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

■ फुटपाथ पर लोगों को कुचलने के आरोप में चालक गिरफ्तार

रोहतक। हादसे में घायल को संभालते राहगीर।

रोहतक। सूचना मिलने पर घटनास्थल पर पहुंची पुलिस की टीम।

लापरवाही से हादसा

जांच में सामने आया कि गाड़ी राजस्थान के अजमेर जिले के निस्तन नामक व्यक्ति की है, जो परिवार के साथ रोहतक आया था। गाड़ी में बैठा उसका साथी सजना बिना ड्राइविंग लाइसेंस का था। उसने कथित तौर पर स्पीकर चालू करने के लिए गाड़ी स्टार्ट की, लेकिन गलती से गियर और रेस पर पैर पड़ जाने से गाड़ी बेकाबू हो गई। गाड़ी में बड़ी संख्या में चादरें भरी हुई थीं, जिन्हें बेचने के लिए यह लोग रोहतक आए थे। चश्मदीद अजय कुमार के अनुसार, गाड़ी का मालिक नशे में प्रतीत हो रहा था और गाड़ी चलाने वाला युवक न केवल अनाड़ी था बल्कि उसके पास ड्राइविंग लाइसेंस भी नहीं था।

सुरक्षा पर गंभीर सवाल

इस हादसे ने शहर में सड़क सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए हैं। बिना लाइसेंस और अनुभवहीन लोग आसानी से गाड़ी चलाते हुए दिख जाते हैं, लेकिन प्रशासन की नजर उन पर नहीं पड़ती। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यातायात पुलिस ऐसे मामलों पर सख्त निगरानी रखे तो इस तरह की घटनाओं को टाला जा सकता है।

आर्य नगर थाना पुलिस ने पीड़ित आकाश श्रीवास्तव की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया है। गाड़ी चलाने वाले आरोपी सजना को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि मालिक निस्तन से पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। पुलिस का कहना है कि मामले की गहन जांच की जा रही है और दोषी को सख्त सजा दिलाई जाएगी। वहीं घायलों के परिजनों ने सरकार और प्रशासन से मांग की है कि इस तरह के हादसों को रोकने के लिए कड़ी कार्रवाई और सड़क सुरक्षा नियमों की सख्ती से पालना सुनिश्चित की जाए। उनका कहना है कि जब तक बिना लाइसेंस गाड़ी चलाने वालों पर सख्त दंड नहीं होगा, तब तक सड़कें सुरक्षित नहीं हो सकतीं।

सुनारियां रोड पर ट्रक ने बाइक को टक्कर मारी, युवक की मौत

रोहतक। शहर के आईआईएम चौक के पास सुनारियां रोड पर शनिवार को हुए सड़क हादसे ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं। गांव पहरावर निवासी 28 वर्षीय मुकेश की ट्रक की टक्कर से मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा उस वक्त हुआ, जब वह अपनी बाइक पर गांव से डोभ की ओर जा रहा था। अचानक पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर लगते ही मुकेश सड़क पर गिर पड़ा और तभी ट्रक का पहिया उसके सिर से गुजर गया। इस दर्दनाक दृश्य ने मौके पर मौजूद लोगों को दहला दिया। हादसे के तुरंत बाद ट्रक चालक वाहन सहित भाग निकला। सूचना पाकर शिवाजी कॉलोनी थाना पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। जांच में सहायता के लिए एफएसएल की टीम भी मौके पर पहुंची। मुकेश की मौत की खबर जैसे ही गांव पहरावर पहुंची, पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों ने बताया कि मुकेश परिवार का इकलौता बेटा था और उसकी मौत से घर का सहारा टूट गया है। महज डेढ़ साल पहले ही उसके घर जुड़वां बच्चों का जन्म हुआ था।

पीजीआई की महिला चिकित्सक से साइबर ठगी

मनी लॉन्ड्रिंग का डर दिखा 9.95 लाख रुपये की ठगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

पीजीआईएमएस के गर्ल्स हॉस्टल में रहने वाली एनेस्थिसियोलॉजी विभाग में कार्यरत महिला डॉक्टर से मनी लॉन्ड्रिंग के नाम पर 9 लाख 95 हजार रुपये की साइबर ठगी की गई। पुलिस ने पीडिता की शिकायत पर केस दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है। पीड़िता ने साइबर क्राइम थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह हिसार के गांव पाबड़ा हाल पीजीआईएमएस गर्ल्स हॉस्टल में रहती हूं। पीड़ित निवासी प्रीति ने बताया कि उसके पास फोन आया और कॉल करने वाले ने कहा कि वह टेलीकॉम ऑफ अथोर्टी इंडिया से बोल रहा है। आपका नंबर दो घंटे में बंद हो जाएगा और आपके आधार कार्ड पर फोन नंबर लिया गया है, जिससे लड़कियों को परेशान किया जा रहा है। आरोपी ने उसे एक नंबर दिया और उस पर कॉल करके आधार कार्ड का गलत प्रयोग करने की शिकायत दर्ज करने को कहा।

■ व्हाट्सएप पर गिरफ्तारी का फर्जी ऑर्डर भेजकर डराया

ऐसे जाल में फंसाया

जब उसने आरोपी द्वारा बताए फोन नंबर पर कॉल किया तो उसे बताया कि उसके नाम पर बहुत सारे क्रेडिट कार्ड और अन्य बैंक कागजात मिले है, जिनका मनी लॉन्ड्रिंग में प्रयोग किया गया है। उसके खिलाफ मुंबई थाने में शिकायत दर्ज है। डॉ. प्रीति ने बताया कि आरोपियों ने उसके वॉट्सएप पर गिरफ्तारी के ऑर्डर, सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया का लेटर, सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इनवेस्टीगेशन इंडिया का लेटर भेजा। साथ ही पुलिस की वर्दी में फोटो भेजे, जिन्हें देखकर वह घबरा गई।

जांच में जुटी पुलिस

पीजीआई के गर्ल्स हॉस्टल में रहने वाली एनेस्थिसियोलॉजी विभाग में कार्यरत एक महिला डॉक्टर के साथ ठगी की शिकायत मिली है। पुलिस ने मामले में शिकायत दर्ज कर ली है। साथ ही जिस खाते में रुपए जमा करवाए गए है, उसके बारे में छानबीन की जा रही है। पुलिस आरोपियों की तलाश में लगी हुई है। -कुलदीप कुमार, थाना प्रभारी साइबर क्राइम सेल

ठगी का पता चलने पर पुलिस से शिकायत

आरोपियों ने उसे पल पल की खबर देने और लगातार वॉट्सऐप कॉल पर बने रहने को कहा गया। प्रीति ने बताया कि आरोपियों ने उसे आईसीआईसीआई बैंक का खाता नंबर दिया, जिसमें सारे पैसे जमा करवाने को कहा। उसने एसबीआई बैंक जाकर खाते में जमा 9 लाख 95 हजार रुपये आरटीजीएस के माध्यम से आरोपियों द्वारा बताए खाते में ट्रांसफर करवा दिए। इसके बाद आरोपी उससे ओर पैसों की मांग करने लगे। इसके बाद उसे ठगी का एहसास हुआ और पुलिस को शिकायत दी।

इक्विटी फंड ने 5 साल में 4 गुना दिया निवेशकों को मुनाफा

- ऐसे करीब दस फंडों को मिली 4 से 5 स्टार की ऊंची रेटिंग
- निवेशकों ने भी जमकर लगाए पैसे और बन गए करोड़पति
- एसआईपी पर भी 24 से 30% तक का एन्युलाइज्ड रिटर्न दिया
- 5 साल में लंपसम निवेश पर 26 से 37 फीसदी तक रिटर्न दिया

इक्विटी फंड एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो मुख्य रूप से शेयर बाजार में निवेश करता है। इसका उद्देश्य निवेशकों को शेयर बाजार में निवेश करने का अवसर प्रदान करना है, जिससे वे अपने निवेश पर अच्छा रिटर्न प्राप्त कर सकें।

इक्विटी फंड के प्रकार

- 1. लार्ज-कैप फंड : ये फंड बड़े कैप शेयरों में निवेश करते हैं, जो आमतौर पर अच्छी तरह से स्थापित कंपनियों के शेयर होते हैं।
- 2. मिड-कैप फंड : ये फंड मध्यम आकार की कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं, जो आमतौर पर तेजी से बढ़ने वाली कंपनियां होती हैं।
- 3. स्मॉल-कैप फंड : ये फंड छोटी कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं, जो आमतौर पर उच्च जोखिम और उच्च रिटर्न की संभावना के साथ आते हैं।
- 4. सेक्टोरल फंड : ये फंड विशिष्ट क्षेत्रों या उद्योगों में निवेश करते हैं, जैसे कि टेक्नोलॉजी, फार्मास्यूटिकल्स, या ऑटोमोबाइल।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड्स को लॉन्ग टर्म यानी लंबी अवधि में वेल्थ क्रिएशन के लिए जाना जाता है। इक्विटी फंड्स में इस लॉन्ग टर्म का मतलब कम से कम 3 साल कहा जाता है, लेकिन आमतौर पर 5 साल या उससे ज्यादा समय में और भी बेहतर नतीजे मिलते हैं। हम यहां ऐसे ही टॉप 10 इक्विटी फंड्स की जानकारी दे रहे हैं, जिन्होंने पिछले 5 साल में निवेशकों की पूंजी को कम से कम 4 गुना या उससे भी ज्यादा कर दिया है। इन सभी फंड्स ने सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) पर भी 24 से 30% तक का एन्युलाइज्ड रिटर्न दिया है। खास बात यह है कि इन 10 में से 6 फंड्स की रेटिंग 5 स्टार और चार की रेटिंग 4 स्टार है। वहीं, निवेशकों ने भी इन फंडों में जमकर निवेश किया और अपनी रकम बढ़ाई। जिन टॉप 10 इक्विटी फंड्स ने पिछले 5 साल में लंपसम निवेश पर सबसे ज्यादा रिटर्न दिया है, उनमें सबसे ज्यादा 5 स्मॉल कैप फंड हैं। इनके अलावा इस लिस्ट में 4 इंफ्रास्ट्रक्चर फंड और एक मिडकैप फंड भी शामिल हैं। इन फंडों ने निवेशकों को मालामाल कर दिया। इस रिपोर्ट में हम आपको ऐसे की कुछ फंडों के बारे में जिन्होंने निवेशकों को अच्छा रिटर्न दिया।

क्वांट स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर) : 37.23%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,86,659 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 26.09%
- रेटिंग : 4 स्टार

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इंफ्रास्ट्रक्चर फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 35.66%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,59,555 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 30.03%
- रेटिंग : 5 स्टार

मोतीलाल ओसवाल मिडकैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 35.14%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,50,791 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 30.32%
- रेटिंग : 5 स्टार

निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड-डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 34.53%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,40,573 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 25.48%
- रेटिंग : 5 स्टार

फ्रैंकलिन बिल्ड इंडिया फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 33.67%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,26,807 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 27.91%
- रेटिंग : 5 स्टार

बंधन स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 33.46%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,23,390 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 28.80%
- रेटिंग : 5 स्टार

इनवेस्को इंडिया स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 33.31%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,20,955 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 27.03%
- रेटिंग : 5 स्टार

एलआईसी इंफ्रास्ट्रक्चर फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 32.58%
- 1 लाख रुपये के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,09,697 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 28.17%
- रेटिंग : 4 स्टार

टाटा स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 32.40%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,06,893 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 24.21%
- रेटिंग : 4 स्टार

कैनरा रोबेको इंफ्रास्ट्रक्चर फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 32.40 %
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,06,846 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 27.94%
- रेटिंग : 4 स्टार

हाई रिटर्न के साथ जुड़ा हाईरिस्क

ऊपर जिन टॉप 10 इक्विटी फंड्स का डिटेल दिया गया है, उन सभी में हाई रेटिंग और हाई रिटर्न के साथ ही साथ वेरी हाई रिस्क भी जुड़ा हुआ है। यही वजह है कि इनमें निवेश से जुड़ा कोई भी फैसला करने से पहले अपनी जोखिम बर्दाश्त करने की क्षमता को जरूर परख लेना चाहिए। निवेशकों को हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि म्यूचुअल फंड्स में पिछले रिटर्न के आगे भी जारी रहने की कोई गारंटी नहीं होती। इसलिए निवेश करने से पहले अपनी क्षमता और लक्ष्य तय कर लें। इसके बाद ही निवेश करें। इससे निवेशकों को परेशानी नहीं होगी और आसानी से अपने पैसे को बढ़ा सकेंगे।

दूसरों को देखकर नहीं चलें, सही आदतें आपको बनाएंगी धनवान

- आपकी एक छोटी सी आदत भविष्य को बचाने में सक्षम
- अनावश्यक खर्च पर रोक लगाएं, सही जगह निवेश करें
- बजट बनाएं, इसके लिए 50/30/20 का नियम फॉलो करें

जानकारी
बिजनेस डेस्क

आज के समय में हर कोई फाइनेंशियली मजबूत और सुरक्षित बनना चाहता है। लेकिन इसके लिए केवल पैसे बचाना ही काफी नहीं है, बल्कि सही आदतें अपनाकर अनुशासित वित्तीय जीवन जीना जरूरी है। ऐसी आदतें आपके भविष्य को आर्थिक रूप से सुरक्षित बनाने में सक्षम हैं। आज के इस दौर में फाइनेंशियल रूप से मजबूत और सेफ महसूस करना हर किसी की चाहत होती है। इसके लिए फाइनेंशियल रिस्पांसिबिलिटी को समझना और उसको निभाना बहुत जरूरी होता है। यह केवल पैसे बचाने या खर्च करने तक सीमित नहीं होता है, बल्कि यह एक सोच है जो आपको एक अनुशासित और आरामदायक जीवन जीने में मदद करती है। तो समझेंगे फाइनेंशियल रूप से मजबूत बनने के लिए किन बातों का ध्यान रखें। बाजार में जाएं तो ऑफर और दूसरों लोगों को देखकर ललचाएं नहीं, बल्की अपने बजट के हिसाब से ही खरीदारी करें। इससे आप अपने अनावश्यक खर्च पर रोक लगा सकते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसी की कुछ खास आदतें जो आपको आर्थिक रूप से मजबूत बनाएंगी।

इमरजेंसी फंड को बनाना

लाइफ में कभी भी बिन बुलाए वाली घटनाएं हो सकती हैं, जैसे नौकरी छूटना, अचानक कोई बीमारी आ जाना या घर में कोई बड़ी मरम्मत का काम निकलना आदि। तो ऐसे में, अगर आपके पास एक इमरजेंसी फंड होगा, तो आपको किसी से उधार या फिर लोन लेने या अपनी बचत को हाथ लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। यह फंड आपके 3 से 6 महीने के मासिक खर्चों के बराबर का होना ही चाहिए।

बजट बनाना और उसका पालन करना

बजट बनाना फाइनेंशियल रिस्पांसिबिलिटी का सबसे अहम कदम माना जाता है.तो इसका मतलब ये है अपनी इनकम और खर्च पर नजर रखना. आप कहां से कमा रहे हैं और कहां खर्च कर रहे हैं, यह जानना बहुत जरूरी होता है। इसके लिए एक फेमस रूल है 50/30/20 का नियम- 50% इनकम आपकी जरूरतों पर खर्च हो, जैसे किराया, बिजली, और भोजन आदि।

सोच-समझकर इन्वेस्टमेंट करें

केवल पैसे बचाना ही काफी नहीं होता है, इस पैसे को सही जगह पर निवेश करना भी जरूरी होता है, ताकि आपका पैसा बढ़ सके। असल में इन्वेस्टमेंट के कई ऑप्शन होते हैं, जैसे स्टॉक मार्केट, म्यूचुअल फंड, या फिक्स्ड डिपॉजिट. तो अपनी रिस्क क्षमता और अपने टारगेट के आधार पर निवेश करना चाहिए। लॉन्ग टर्म के निवेश आपके बड़े लक्ष्यों, जैसे घर खरीदना या बच्चों की शिक्षा, को पूरा करने में मदद कर सकते हैं। इसलिए जो पैसा बचाएं उसे सही जगह पर निवेश करें जो समय के हिसाब से महंगाई को मात देने में सक्षम हो।

बीमा करवाएं, महत्व समझें

हेल्थ इंश्योरेंस : यह आपको मेडिकल इमरजेंसी में फाइनेंशियल संकट से बचाता है। हमेशा एक अच्छी स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी होने से आप अपनी बचत पर अनावश्यक बोझ से बच जाते हैं।

टर्म लाइफ इंश्योरेंस : तो अगर आपके परिवार में आप ही एकमात्र कमाने वाले हैं, तो यह बीमा आपकी अनुपस्थिति में आपके परिवार को फाइनेंशियल हेल्प देने का काम करता है।

दूसरों की देखा-देखी खर्च नहीं करें

अक्सर हम अपने दोस्तों या पड़ोसियों को देखकर फालतू के एस्ट्रा पैसे खर्च करने लगते हैं। इसको लाइफस्टाइल इन्फ्लेशन कहा जाता है। फाइनेंशियल रिस्पांसिबिलिटी का मतलब है अपनी जरूरतों और क्षमताओं के अनुसार जीना, ना कि दूसरों को इंप्रेस करने के लिए खर्च करना। आपकी आर्थिक स्थिति और लक्ष्य आपके लिए सबसे जरूरी होने चाहिए।

अपने फाइनेंशियल टारगेट को समझना

आपके फाइनेंशियल टारगेट साफ होने चाहिए। चाहे वह रिटायरमेंट के लिए बचत करना हो,या एक नई कार खरीदना हो या कर्ज चुकाना हो, हर टारगेट के लिए एक टाइम लिमिट और एक प्लानिंग होनी चाहिए. अपने टारगेट को छोटे, मध्यम और लंबी अवधि में बांटें। फाइनेंशियल रिस्पांसिबिलिटी का मतलब है कि अपने पैसे को सही तरह से प्लान करें। यह आपको ना केवल वर्तमान में बल्कि फ्यूचर में भी एक सेफ और स्थिर लाइफ जीने का अवसर देता है।

बिजनेस शुरू करने के लिए ऐसे बनाएं 'परफेक्ट' बजट, नहीं होगा नुकसान

- बिजनेस शुरू करने से पहले एक मजबूत बजट बनाना बेहद जरूरी
- सही प्लानिंग से खर्चों पर नियंत्रण, मुनाफे की योजना बनाएं
- फ्यूचर के लिए क्लियर रोडमैप तैयार करें, इसके बाद बिजनेस शुरू करें

तैयारी
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी अपना कोई बिजनेस शुरू करना चाहते हैं तो कुछ नियम फॉलो करें। इससे आपका बिजनेस आगे बढ़ेगा अब नुकसान होगा। बिजनेस शुरू करने के लिए सबसे पहले 'परफेक्ट' बजट बनाएं। इसके बाद उस पर अमल करें। असल में किसी भी बिजनेस के लिए एक मजबूत बजट बनाना उसकी सफलता के लिए बेहद जरूरी होता है। बजट सिर्फ खर्चों को ट्रैक करने के बारे में नहीं है, बल्कि फ्यूचर के लिए एक साफ फाइनेंशियल रोडमैप तैयार करने के बारे में भी होता है। इस रिपोर्ट में आपको ऐसे ही टिप्स बताएंगे जो आपके बिजनेस के लिए बेहतर होंगे। यदि आप इनका पालन करेंगे तो कारोबार में नुकसान होगा और आपकी पूंजी बढ़ेगी। सही प्लानिंग से खर्चों पर नियंत्रण, मुनाफे की योजना और फ्यूचर के लिए क्लियर रोडमैप तैयार किया जा सकता।

रेवेन्यू का विश्लेषण करें

सबसे पहले, आपको अपनी सभी रेवेन्यू स्ट्रीम को पहचानना होगा। आप कम से कम पिछले 12 महीनों के डेटा का विश्लेषण जरूर करें। आप यह देखें कि आपके बिजनेस की मासिक इनकम में कैसे उतार-चढ़ाव आते हैं और क्या कोई सीजनल पैटर्न इसमें काम आया है। यह उदाहरण के लिए, अगर छुट्टियों के मौसम में आय बढ़ सकती है, बकि गर्मियों में कम हो सकती है। इसको समझकर ही आप आने वाले महीनों के लिए आय का अनुमान लगा सकते हैं।

निश्चित लागत घटाएं

इनकम का अनुमान लगाने के बाद, अपने फिक्स कॉस्ट को घटाना चाहिए। ये वो खर्चे हैं जो आपके बिजनेस की एक्टिविटी से नहीं बदलते, जैसे किराया, कर्मचारियों का वेतन, बीमा और संपत्ति लोन। ये खर्चे हर महीने या साल लगभग एक जैसे रहते हैं, इसलिए इन्हें आसानी से घटाया जा सकता है। बजट बनाते समय गैर-जरूरी और बदलने वाले खर्चों को घटाएं। ये खर्चे आपके बिजनेस की गतिविधि के साथ बदलते रहते हैं। तो जैसे-जैसे उत्पादन या बिक्री बढ़ती है, ये खर्चे भी बढ़ने लगते हैं। इनमें कच्चे माल की लागत, घंटे के हिसाब से काम करने वाले कर्मचारियों की मजदूरी आदि शामिल हैं। आप चाहें तो पिछले डेटा का उपयोग करके भी इनका अनुमान लगा सकते हैं।

आपात स्थिति के लिए फंड

बजट बनाते समय, अप्रत्याशित खर्चों के लिए हमेशा कुछ पैसा अलग रखना जरूरी होता है। इसे कंटिजेंसी फंड या इमरजेंसी फंड भी कहते हैं। यह राशि तब काम आती है जब बिजनेस में यूज होने वाला कोई जरूरी चीज अचानक खराब हो जाए या कोई और अप्रत्याशित खर्च आ जाए. ऐसे में एक्सट्रा इमकम को तुरंत खर्च करने की जगह, इस फंड में जमा करना बेस्ट होगा।

अपने बेनेफिट्स को समझें

बजट बनाते समय आप कुल अनुमानित आय से सभी तय और बदलते खर्च घटाएं। ऐसे में बची हुई राशि आपका शुद्ध लाभ है। अगर यह धनात्मक है तो मुनाफा, और अगर ऋणात्मक है तो घाटा। इस आंकड़े की तुलना पुराने बेनेफिट्स से करें, ताकि पता चल सके कि अनुमान सही है या फिर नहीं। ऐसा करके आप काम शुरू करेंगे तो आपको कभी भी नुकसान का सामना नहीं करना पड़ेगा। आपका कारोबार दिन दूनी और रात चौगुनी गति से बढ़ेगा। बिजनेस में आपका भविष्य सुरक्षित रहेगा। काम शुरू करने से पहले एक बार अपने प्रोडक्ट का भी देखें और उसका रिव्यू करते रहे।

बजट का रिव्यू करें

बजट कोई फिक्स डाक्यूमेंट्स नहीं होता है। इसका हर मंथ या तिमाही में रिव्यू करना और जरूरत के अनुसार एडजस्ट करना जरूरी है। जब आपकी इनकम बढ़ती है या खर्चे बदलते हैं, तो आपको अपने बजट में भी चेंज करना होगा। अपने सही प्रदर्शन की तुलना अपने बजट से करें और फिर देखें और समझें कि आप कहां पर अच्छा कर रहे हैं और कहां सुधार की जरूरत फिलहाल है। नियमित रिव्यू करने से आप अपने फाइनेंशियल टारगेट को ट्रैक पर रख सकते हैं।

मुनाफे की निगरानी व समीक्षा

अपने मुनाफे की निगरानी करें और आवश्यकतानुसार बदलाव करें। अपने मुनाफे की समीक्षा करें और यह सुनिश्चित करें कि वे आपके वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर रहे हैं। अपने व्यवसाय के वित्तीय पहलुओं का प्रबंधन करें, जैसे कि आय, व्यय, और मुनाफा। अपने व्यवसाय के नकदी प्रवाह का प्रबंधन करें, जैसे कि आय और व्यय का समय पर प्रबंधन।

बाजार अनुसंधान व विश्लेषण

अपने उत्पाद या सेवा के लिए बाजार की मांग और प्रतिस्पर्धा का विश्लेषण करें। अपने ग्राहकों की जरूरतों और पसंदों का विश्लेषण करें। अपने वित्तीय लक्ष्यों और बाजार अनुसंधान के आधार पर व्यवसाय योजना का निर्माण करें। मुनाफे की रणनीति तैयार करें, जैसे कि मूल्य निर्धारण, विपणन, और बिक्री।

अलर्ट 25, 30 और 35 की उम्र वाले एसआईपी के लिए प्लानिंग करें, अगर निवेश में देरी करते हैं तो लक्ष्य हासिल करना मुश्किल होगा

निवेश शुरू करने में जितनी जल्दी करेंगे, लक्ष्य उतनी ही जल्दी मिलेगा, अपने टारगेट को हासिल करने के लिए उम्र के हिसाब से निवेश बढ़ाना होगा

रिटायरमेंट पर चाहिए 10 करोड़ तो उम्र के हिसाब से करें प्लानिंग, भविष्य होगा सुरक्षित

समझदारी
बिजनेस डेस्क

अगर आप 25 साल के हैं और आपसे पूछा जाए कि आपको रिटायरमेंट के समय कितना फंड चाहिए। आज से 35 साल बाद और महंगाई को देखते हुए रिटायरमेंट पर 10 करोड़ फंड आपकी नॉन वर्किंग लाइफ को आसान बना सकते हैं। यही 10 करोड़ का फंड हासिल करने के लिए अगर आप तुरंत सही से प्लानिंग करें तो यह आसान होगा, लेकिन जैसे जैसे देरी करते जाएंगे, यह फंड उतना ही दूर होता जाएगा। इसलिए अपने भविष्य को सुरक्षित करने के लिए समय से प्लानिंग करें। आप जितनी जल्दी निवेश शुरू करेंगे उतनी जल्दी ही करोड़पति बनेंगे। बस आपको अपना लक्ष्य और रिस्क क्षमता को देखकर निवेश करना होगा। रिटायरमेंट पर दस करोड़ का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं तो आज आपकी जो उम्र है उसके हिसाब से प्लानिंग करें। तभी यह लक्ष्य हासिल कर पाएंगे। 25, 30 और 35 की उम्र वाले एसआईपी के लिए बेहतर प्लानिंग कर सकते हैं। इससे आपका भविष्य सुरक्षित होगा और बच्चों के खर्चों में भी दिक्कत नहीं होगी।

निवेश में देरी लक्ष्य को बनाएगा मुश्किल

अगर हम निवेश में देरी करते हैं तो लक्ष्य हासिल करना मुश्किल होता जाता है. अगर आप रिटायरमेंट (60 साल) पर 10 करोड़ रुपये का लक्ष्य (**Retirement Corpus**) ध्यान में रखकर निवेश करते हैं और अनुमानित रिटर्न 12 फीसदी सालाना मानते हैं तो 20 साल के निवेशक जहां हर महीने 8,500 रुपये एसआईपी करनी होगी, वहीं 30 साल वालों को करीब 28,500 रुपये. अगर 40 की उम्र में आ गए तो इस लक्ष्य को पाने के लिए हर महीने 1,00,000 रुपये निवेश करना होगा. इसलिए निवेश जितना जल्दी हो सके, शुरू करें।

20 की उम्र में निवेश ऐसे करें
- मंथली एसआईपी : 8500 रुपये
- एनुअल रिटर्न: 12%
- इयूरेशन : 40 साल
- 40 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 10,10,00,572 रुपये (करीब 10 करोड़ रुपये)
- 40 साल में कुल निवेश : 40,80,000 रुपये (करीब 41 लाख रुपये)

25 की उम्र में निवेश
- मंथली एसआईपी : 15,500 रुपये
- एनुअल रिटर्न: 12 फीसदी
- इयूरेशन : 35 साल
- 35 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 10,06,76,671 रुपये (करीब 10 करोड़ रुपये)
- 35 साल में कुल निवेश : 65,10,000 रुपये (करीब 65 लाख रुपये)

30 की उम्र में निवेश
- मंथली एसआईपी : 28500 रुपये
- एनुअल रिटर्न: 12 फीसदी
- इयूरेशन : 30 साल
- 30 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 10,06,02,543 रुपये (करीब 10 करोड़ रुपये)
- 30 साल में कुल निवेश : 1,02,60,000 रुपये (करीब 1 करोड़ रुपये)

35 की उम्र में निवेश
- मंथली एसआईपी : 53,000 रुपये
- एनुअल रिटर्न: 12 फीसदी
- इयूरेशन : 25 साल
- 25 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 10,05,74,660 रुपये (करीब 10.06 करोड़ रुपये)
- 25 साल में कुल निवेश : 1,59,00,000 रुपये (करीब 1.59 करोड़ रुपये)

40 की उम्र में निवेश
- मंथली एसआईपी : 1,00,000 रुपये
- एनुअल रिटर्न: 12% ● इयूरेशन : 20 साल
- 20 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 9,99,14,792 रुपये (करीब 10 करोड़ रुपये)
- 20 साल में कुल निवेश : 2,40,00,000 रुपये (करीब 2.40 करोड़ रुपये)

लम्प सम : 100 गुना रिटर्न

एक रिपोर्ट के अनुसार अगर आप 20 की उम्र में 1 लाख रुपये लम्प सम निवेश करते हैं और उस पर 12 फीसदी सालाना रिटर्न मिले तो 60 की उम्र तक आपकी दौलत बढ़कर 93 लाख रुपये हो जाएगी। लेकिन अगर आपने यह निवेश 25 साल की उम्र में किया होता, तो आपके निवेश की वैल्यू 53 लाख रुपये होगी। अगर आपने 30 साल की उम्र में यही निवेश किया होता तो 60 की उम्र में वैल्यू 29 लाख रुपये होगी। और अगर आपने 40 साल की उम्र में यही निवेश किया होता तो 60 की उम्र में वैल्यू सिर्फ 9 लाख रुपये होगी। यानी, जितनी देर से शुरुआत करेंगे, फायदा उतना ही कम होगा। इसलिए बेहतर है कि निवेश की शुरूआत जितना जल्दी हो, उतना जल्दी करें। एसआईपी कैलकुलेशन में भी आपने देखा होगी कि देर से निवेश करने पर लक्ष्य हासिल करने के लिए अर्ली इन्वेस्टर्स की तुलना में कई गुना अमाउंट निवेश करना पड़ता है।

खबर संक्षेप

सांपला में रक्त दान शिविर का आयोजन

सांपला। ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की सांपला शांखा में रविवार को रक्त दान शिविर लगाया जाएगा। सेंटर संचालक ललीत कुमार ने बताया कि राजयोगी दादी प्रकाश मणी की 18 वीं पुण्यतिथि और विश्व बंधुत्व दिवस के उपलक्ष में ये रक्त दान शिविर लगाया जा रहा है।

टैलेंट ट्री विद्यालय के छात्रों ने खेलों में बाजी मारी

महम। एसजीएफआई द्वारा आयोजित ब्लॉक स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में टैलेंट ट्री विद्यालय महम के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। विद्यालय के खिलाड़ियों ने टीम और व्यक्तिगत खेलों में कई स्वर्ण पदक जीते। खो-खो टीम ने गोल्ड मेडल जीतकर जिला स्तरीय प्रतियोगिता में जगह बनाई। व्यक्तिगत प्रतियोगिताओं में सक्षम (हैमर थ्रो), कृतिका (बैडमिंटन), गगन (तलवारबाज़ी), और अंगद (टेनिस) ने गोल्ड मेडल हासिल किए।

8 लाख 86 हजार की ठगी में आरोपी काबू

रोहतक। पुलिस की साइबर थाना की टीम ने टास्क के नाम पर हुई करीब 8 लाख 86 हजार रुपये की ठगी करने वाले गिरोह में दूसरे आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया। साइबर क्राइम थाना प्रभारी कुलदीप सिंह ने बताया कि बालंद निवासी प्रवीण की शिकायत के आधार पर केस दर्ज करके जांच शुरु की गई। जांच में सामने आया कि 26 अप्रैल को प्रवीण के पास व्हाटसअप पर कॉल आई। युवक ने प्रवीण को घर बैठे जॉब करने का ऑफर दिया।

ग्रामीणों को दिया सम्मान दिवस रैली का न्योता

महम। इंडियन नेशनल लोकदल पार्टी की जिला व महम इकाई के पदाधिकारियों ने जिला अध्यक्ष डॉ नफे सिंह लाहली के नेतृत्व में महम हलके के विभिन्न गांवों का दौरा किया। सैमाण, भैणी सुरजन, भैणी मातो, भैणी महाराजपुर, सीसर, बहलबा, खरकड़ा, व बहुअकबरपुर आदि गांवों में कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए जिला अध्यक्ष डॉ नफे सिंह लाहली ने बताया कि 25 को पूर्व उपप्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल की जयंती पर रोहतक अनाज मंडी में सम्मान दिवस समारोह का आयोजन किया जाएगा।

प्रतिभागियों की रचनात्मकता ने लघु फिल्मों के माध्यम से बटोरीं तालियां

■ डीएलसी सुपवा में पांच दिवसीय फिल्म कार्यशाला का सफल समापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

दादा लखमी चंद राज्य प्रदर्शन एवं दृश्य कला विश्वविद्यालय (डीएलसी सुपवा) और सिने फाउंडेशन हरियाणा द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित पांच दिवसीय फिल्म कार्यशाला का समापन शनिवार को विश्वविद्यालय के लघु सभागार में हुआ। समापन अवसर पर कार्यशाला में शामिल प्रतिभागियों द्वारा बनाई गई छह लघु फिल्मों का प्रभावशाली प्रदर्शन किया गया, जिसने उपस्थित दर्शकों की भरपूर तालियां बटोरीं। कार्यशाला में कुलपति डॉ. अमित आर्य, कुलसचिव डॉ. गुंजन मलिक, विश्व संवाद केंद्र से राजेश, फिल्म एवं टीवी विभाग के संकाय सदस्य और विश्वविद्यालय के छात्र मौजूद रहे। यह कार्यशाला 19 से 23 अगस्त तक आयोजित की गई, जिसमें 30 चयनित प्रतिभागियों को पटकथा लेखन, अभिनय, छायांकन, निर्देशन, संपादन, ध्वनि डिजाइन और फिल्म निर्माण की बारीकियों पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। समापन समारोह में छह टीमों ने अपनी-अपनी फिल्मों का प्रदर्शन किया। प्रत्येक टीम में पांच से छह सदस्य शामिल थे। फिल्म एवं टीवी विभागाध्यक्ष महेश टीपी, संपादन प्रमुख इंद्रनील और ऑडियोग्राफी प्रमुख देबाशीष रॉय के मार्गदर्शन में फिल्मों का निर्माण किया गया। छात्रों को डीएलसी सुपवा की टीम ने हर संभव सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर प्रस्तुत की गई लघु फिल्मों में पागल सबसे प्रभावशाली रही। देवानंद टीम द्वारा निर्मित इस फिल्म ने पर्यावरण संरक्षण जैसे गंभीर विषय पर गहरी और भावनात्मक टिप्पणी की। फिल्म की कहानी ने दर्शकों को न केवल सोचने पर मजबूर किया बल्कि एक अद्भुत संदेश भी दिया, जिसकी सभी ने सराहना की।

अनुभव और प्रेरणा से भरा मंचः

फिल्मों के प्रदर्शन के बाद टीम लीडरों ने अपने अनुभव साझा किए। प्रतिभागियों ने बताया कि इस कार्यशाला ने उन्हें न केवल फिल्म निर्माण की बारीकियों को समझने का अवसर दिया, बल्कि रचनात्मक अभिव्यक्ति के लिए एक बेहतरीन मंच भी प्रदान किया। उन्होंने मार्गदर्शकों और विश्वविद्यालय प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

शिक्षा और प्रयोग का संगमः

पांच दिवसीय इस कार्यशाला की खासियत रही कि इसमें प्रतिभागियों को न केवल सैद्धांतिक शिक्षा दी गई, बल्कि व्यावहारिक प्रयोग का भी अवसर मिला। यही कारण है कि प्रतिभागी स्वयं अपनी फिल्मों का निर्माण कर सके। यह पहल डीएलसी सुपवा की गहन और व्यावहारिक शिक्षण पद्धति का सशक्त उदाहरण है, जिसने छात्रों के आत्मविश्वास और कौशल दोनों को निखारा है। समापन अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर उत्साह, ऊर्जा और रचनात्मकता से सराबोर दिखाई दिया। प्रतिभागियों और अतिथियों ने माना कि यह आयोजन हरियाणा ही नहीं बल्कि देशभर के युवा फिल्मकारों को नई दिशा और प्रेरणा देगा।

यह बोले कुलपति

कुलपति डॉ. अमित आर्य ने कहा कि इस कार्यशाला ने दिखाया है कि जब युवा मस्तिष्कों को अनुभवी मार्गदर्शकों का साथ मिलता है तो उनकी रचनात्मकता किस ऊंचाई तक पहुंच सकती है। यहां प्रदर्शित फिल्मों में अनुशासन, टीम वर्क और गहरी सोच दिखाई दी। यह अनुभव प्रतिभागियों के करियर और फिल्म निर्माण की दिशा तय करने में मददगार साबित होगा। डीएलसी सुपवा भविष्य में भी इसी तरह की कार्यशालाएं आयोजित करता रहेगा और जल्द ही दृश्य कला, डिजाइन और वास्तुकला के क्षेत्र में भी इस तरह के प्रयास किए जाएंगे।

कुलपति व कुलसचिव ने सभी को दी बधाई

कुलपति डॉ. अमित आर्य ने कार्यशाला की सफलता के लिए सभी प्रतिभागियों, विशेषज्ञों, शिक्षकों और आयोजन टीम को बधाई दी। उन्होंने विशेष रूप से प्रो. राकेश योगी, हरिओम कौशिक, विकास, रमेश चहल और विभांशु वैभव के योगदान की सराहना की। साथ ही उन्होंने रजिस्ट्रार डॉ. गुंजन मलिक के पर्यवेक्षण और विश्व संवाद केंद्र से आए राजेश के विचारों को भी महत्त्वपूर्ण बताया।

दो दिवसीय जिला स्तरीय स्कूली खेल प्रतियोगिताओं का हुआ शुभारंभ

विभिन्न खेलों में विद्यार्थियों की प्रतिभा को देखकर आश्चर्यचकित हुए शिक्षक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

शिक्षा विभाग द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी मनजीत मलिक और जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी दिलजीत सिंह के दिशा निर्देशन व जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं की नोडल अधिकारी विजेंद्र हुड्डा की देखरेख में लड़कियों की 23 से 24 अगस्त, 2025 को आयोजित करवाई जा रही है। जिला स्तरीय विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में विभिन्न खेलों में गवर्नमेंट और प्राइवेट स्कूलों की खिलाड़ी अपने खेल प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं।

विभिन्न खेलखुद स्कूली प्रतियोगिताओं का शुभारंभ भैयापुर स्थित गुरुकुल में जिला शिक्षा अधिकारी मनजीत मलिक और डीपीसी विजेंद्र हुड्डा ने शुभारंभ किया, जिसमें उन्हें सभी खिलाड़ियों को खेल भावना का परिचय देते हुए अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित किया इसके अलावा उन्होंने सभी सभी ऑफिशियल को दिशा निर्देश देते हुए कहा कि सभी खिलाड़ियों के सभी खेलों के परिणाम निष्पक्ष होने चाहिए ताकि अच्छे से अच्छे चयनित खिलाड़ी राज्य स्तर पर रोहतक जिले का प्रतिनिधित्व करें।

रोहतक। आदर्श गुरुकुल सिंहपुरा में जिला स्तरीय लड़कियों की स्कूली योग प्रतियोगिता में विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित करते डीपीसी विजेंद्र हुड्डा व अन्य।

रोहतक। लाढ़ौत स्थित गुरुकुल विश्वभारती में खो खो खिलाड़ियों से परिचय लेते हुए जिला शिक्षा अधिकारी मनजीत मलिक, डीपीसी विजेंद्र हुड्डा व अन्य।

जिला स्तरीय स्कूली आर्चरी प्रतियोगिता

जिला स्तरीय आर्चरी प्रतियोगिता का आयोजन नवयुग शिक्षा निकेतन स्कूल, लाढ़ौत में किया गया, प्रतियोगिता का शुभारंभ विद्यालय प्रबंधक सुरेश देशवाल ने किया, उन्होंने खिलाड़ियों को खेल भावना से भाग लेने और आने वाली प्रतियोगिताओं में प्रदेश एवं जिले का नाम रोशन करने हेतु प्रेरित किया, आर्चरी प्रतियोगिता इंचार्ज डॉ. जनक राज (पीजीटी, फिजिकल एजुकेशन) और मुकेश कुमार (डीपीई) ने बताया कि एमडीएन पब्लिक स्कूल और नवयुग शिक्षा निकेतन स्कूल, लाढ़ौत की बालिकाओं का आयु वर्ग अंडर 14 वर्ष में प्रदर्शन विशेष रूप से सराहनीय रहा, आर्चरी प्रतियोगिता के अंतर्गत अंडर-14 इंडियन राउंड बालिका वर्ग में एमडीएन पब्लिक स्कूल की छात्रा छवि ने प्रथम, जिया एवं विधि ने द्वितीय तथा तन्वी ने चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। इस आधार पर टीम चैंपियनशिप में एमडीएन पब्लिक स्कूल की टीम प्रथम स्थान पर रहा, इसी आयु वर्ग के रिकर्व राउंड में नवयुग शिक्षा निकेतन स्कूल, लाढ़ौत की यशवी देशवाल ने प्रथम तथा एमडीएन पब्लिक स्कूल की दीक्षा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया, इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधक सुरेश देशवाल, प्रतियोगिता कव्वीनर मनोज अहलावत (प्राचार्य, गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, करौर), मुकेश कुमार (डीपीई), डॉ. जनक राज (पीजीटी, फिजिकल एजुकेशन एवं योग ऑफिशियल), पुष्पा (पीजीटी, फिजिकल एजुकेशन), आर्चरी कोच रेखा अहलावत, जयदीप, नवीन, ज्योति, चाप सिंह सहित सभी खिलाड़ी और टीम इंचार्ज मौजूद रहे।

जिला स्तरीय स्कूली वेट लिफ्टिंग प्रतियोगिताः प्रतियोगिता इंचार्ज अरुण (डीपीई, गवर्नमेंट मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, कलानौर) ने बताया कि वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता (बालिका वर्ग) में अंडर-17 आयु वर्ग में कुसुम ने 44 किग्रा, आरती ने 48 किग्रा, वर्षा ने 53 किग्रा, कशिश ने 58 एवं 63 किग्रा, रिया ने 69 किग्रा, जिया ने 77 किग्रा तथा तानिया ने 77 किग्रा से ऊपर भार वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं, अंडर-19 आयु वर्ग में ज्योति ने 48 किग्रा, साक्षी ने 53 किग्रा, खुशी ने 58 किग्रा, प्रीति ने 63 किग्रा तथा प्रगति ने 69 किग्रा भार वर्ग में प्रथम स्थान हासिल किया, इन विजेता खिलाड़ियों का चयन राज्य स्तरीय स्कूली वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता हेतु किया गया है, जहाँ वे रोहतक जिले का प्रतिनिधित्व राज्य स्तर पर करेंगी।

रोहतक। लड़कियों की जिला स्तरीय स्कूली योग प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करती हुई खिलाड़ी। फोटो: हरिभूमि

न्यूज डायरी

जिला स्तरीय खो-खो खेल प्रतियोगिता में सैनी सीनियर सेकेंडरी स्कूल के खिलाड़ियों ने लहराया परचम

रोहतक। गुरुकुल सीनियर सेकेंडरी स्कूल भैयापुर में जिला स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में भिन्न-भिन्न आयु वर्ग के खि लाड़ियों ने भाग लिया और अपनी प्रतिभा दिखाई। ब्लॉक स्तर पर जीती हुई टीमों के बीच में मुकाबला हुआ। जिसमें सैनी स्कूल के खिलाड़ी अंडर-14 और 19 की टीम विजेता रही। विजेता टीम का सैनी एजुकेशन सोसाइटी के प्रधान अवनीश कुमार सैनी ने विजेता टीम को बधाई दी। साथ ही मिठाई खिलाकर उनका स्वागत किया और उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उप प्रधान बुद्ध राम, सेक्रेटरी जगदीश सैनी और समस्त कार्यकारिणी के सदस्यों नी खिलाड़ियों को बधाई दी। स्कूल के प्राचार्य डॉक्टर आरके सैनी ने खिलाड़ियों का उत्सव वर्धन किया और उन्हें कहा कि खेल को हमेशा खेल की भावना से खेल और ऐसे ही आगे बढ़ते रहे। इस अवसर पर कोच शिव कुमार, टीम इंचार्ज सुमित कुमार उपस्थित रहे।

नि:शुल्क दो दिवसीय गणपति मेकिंग वर्कशॉप

रोहतक। दिल्ली रोड पर सिथत बीपी जैन स्किल डेवलपमेंट सेंटर में निशुल्क दो दिवसीय गणपति मेकिंग वर्कशॉप का आयोजन किया गया। यह जानकारी देते हुए मीडिया प्रभारी राजीव जैन ने बताया कि इस कार्यशाला में बच्चों और बड़ों को इको-फ्रेंडली मिट्टी के गणेश जी बनाना सिखाया गया। इस अवसर पर कुल 96 बच्चों ने भाग लिया और स्वयं अपने हाथों से सुंदर गणेश प्रतिमाएं बनाईं। अर्पण स्कूल, जैन स्कूल के विद्यार्थी सहित आठ वर्ष से अधिक आयु के अन्य बच्चों और बड़ों ने भी उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। नोएडा से आए प्रशिक्षक विकास ने प्रतिभागियों को गणेश प्रतिमा बनाने की बारीकियां सिखाईं। बच्चों और बड़ों ने मिलकर पर्यावरण के अनुकूल गणेश प्रतिमाएं तैयार कीं और उन्हें अपने घर लेकर गए।

केवीएम नर्सिंग कॉलेज में फेयरवेल का आयोजन

रोहतक। केवीएम नर्सिंग कॉलेज में 23 अगस्त को जीएनएम(तृतीय वर्ष) एवं एएनएम(द्वितीय वर्ष) की फेयरवेल पार्टी व एएनएम प्रथम वर्ष की फ्रेशरस पार्टी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुई। वरिष्ठ छात्राओं ने नए विद्यार्थियों का स्वागत किया तथा कॉलेज परिवार में सम्मिलित होने पर उन्हें शुभकामनाएं दी। वहीं जूनियर छात्राओं ने अपने सीनियर को विदाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां नृत्य गायन और विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। जिनमें छात्राओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। कॉलेज की प्राचार्य ज्योति शर्मा ने कहा कि फ्रेशर्स पार्टी विद्यार्थियों में आत्मविश्वास भरती है, वहीं फेयरवेल जीवन की नई यात्रा की ओर कदम बढ़ाने का प्रेरणादायक अवसर होता है। जीएनएम तृतीय वर्ष की छात्रा मौसम और एएनएम द्वितीय वर्ष की छात्रा मुस्कान को मिस फेयरवेल से सम्मानित किया गया। जीएनएम (तृतीय वर्ष) की छात्रा रीनू और एएनएम (द्वितीय वर्ष) की छात्रा तेजो को मिस व्यक्तित्व का पौधा मिला। एएनएम प्रथम वर्ष की छात्रा अनामिका मिस फ्रेशर्स और पुष्पा मिस व्यक्तित्व बने। कार्यक्रम का समापन आभार प्रदर्शन और सामूहिक भोजन के साथ हुआ।

एचडी पब्लिक स्कूल में अंतरसदनीय प्रतियोगिता आयोजित

■ प्रतियोगिताओं में छात्रों की प्रतिभा का अद्भुत प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

बहुअकबरपुर स्थित एचडी पब्लिक स्कूल में अंतरसदनीय हिंदी आशु-भाषण एवं इंटर-हाउस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। छात्रों ने आत्मविश्वास और प्रभावशाली अभिव्यक्ति के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सबका मन मोह लिया। विद्यालय के निदेशक सुरेंद्र सिंह फोगाट, शैक्षिक निदेशक कृष्णा बल्हारा फोगाट तथा प्राचार्य दुलाल देब ने विजेताओं को बधाई दी और कहा कि ऐसे प्रतियोगी कार्यक्रम विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास और भाषा कौशल को नई दिशा प्रदान करते हैं। कार्यक्रम ने यह सिद्ध किया कि एचडी पब्लिक स्कूल के विद्यार्थी न केवल ज्ञान की गहराई रखते हैं, बल्कि अपनी वाणी से भी सभी को प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं।

ये रहे परिणाम

कक्षा 6 से 8 के लिए आयोजित हिंदी आशु-भाषण प्रतियोगिता में
प्रथम स्थान-टोपाज हाउस
द्वितीय स्थान-सैफायर हाउस
तृतीय स्थान-एमराल्ड हाउस
कक्षा 9 और 11 (विज्ञान वर्ग) के विद्यार्थियों ने कॉम्पीटिशन में
प्रथम स्थान-सैफायर हाउस
द्वितीय स्थान-एमराल्ड हाउस
तृतीय स्थानकोरल हाउस

विद्यार्थियो को साइबर अपराध बारे में किया जागरुक

रोहतक। पुलिस द्वारा साइबर अपराधों बारे आमजन को साइबर अपराध के बचाव, साइबर अपराधों की पहचान व ठगी के तरीके बारे जागरूक किया जा रहा है। लाखनमाजरा थाना प्रभारी के नेतृत्व में साइबर हेल्प डेस्क की टीम ने सीनियर सेकेंडरी स्कूल लाखनमाजरा में विद्यार्थियो को बताया कि कैसे साईबर अपराधी साइबर अटैक करके लोगों को अपना ठगी का शिकार बनाते है तथा उन्हें मानसिक, आर्थिक व सामाजिक नुकसान पहुंचाते हैं और इन अपराधों से कैसे बचाव करें इत्यादि के बारे में बताकर जागरूक किया।

भाजपा महम मंडल की कार्यशाला आज

महम। रविवार 24 अगस्त को महम काठमंडी स्थित वाल्मीकि धर्मशाला में भाजपा महम मंडल की एक कार्यशाला आयोजित की जाएगी। भाजपा नेता अजीत अहलावत ने बताया कि यह कार्यशाला सुबह साढ़े 9 बजे शुरू होगी और दोपहर 12 बजे तक चलेगी। कार्यशाला को राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा और प्रभारी अशोक खुराना संबोधित करेंगे। कार्यशाला में पार्टी संगठन की मजबूती पर चर्चा होगी।

एमडीयू में पशु रोग ट्रिपैनोसोमोसिस पर हुआ व्याख्यान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर मेडिकल बायोटेक्नोलॉजी द्वारा चैलेंजस इन डायग्नोसिस एंड कंट्रोल ऑफ एनिमल ट्रिपैनोसोमोसिस विषयक विशेषज्ञ व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें पशु ट्रिपैनोसोमोसिस जैसे गंभीर और आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण रोग के निदान और नियंत्रण से जुड़ी जटिलताओं पर विस्तार से चर्चा की गई। आईसीएआर-नेशनल रिसर्च सेंटर ऑन इक्वाइन्स, हिसार के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. राजेंद्र कुमार ने बतौर मुख्य वक्ता यह व्याख्यान दिया। डॉ. कुमार ने पशु परजीविविज्ञान एवं आणविक निदान में अपने गहन अनुभव के आधार पर बताया कि पारंपरिक निदान पद्धतियां जैसे परजीविकीय और सीरोलॉजिकल परीक्षण आज भी सीमित सटीकता और उपयोगिता के कारण चुनौतीपूर्ण बने हुए हैं।

पुलिस ने 105 वाहन चालकों के किए चालान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

पुलिस ने शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ 18 से 22 अगस्त तक विशेष अभियान चलाया है। पुलिस महानिदेशक हरियाणा शत्रुजीत सिंह कपूर, पुलिस महानिरीक्षक यातायात एवं हाइवे हरियाणा हरदीप सिंह दून के नेतृत्व में एक विशेष अभियान चलाया हुआ है। अभियान के तहत रोहतक पुलिस ने इन पांच दिनों में विशेषतौर पर नाकाबंदी कर गहनता से वाहनों की जांच की है। अभियान के दौरान नाकाबंदी कर शराब पीकर वाहन चलाने वाले वाहन चालकों के मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालान किए है। विशेष अभियान के तहत यातायात पुलिस ने 105 शराब पीकर वाहन चलाने वाले वाहन चालको का चालान किया है।

TOP-IN-TOWN रोहतक बाजार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें: विज्ञापन विभाग, हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
मो. 9996959400, 9996985800, 9996965600, 9996954600

hartron ISO 9001 : 2015
Enhance your talent
HARTRON
SKILL CENTRE For
Computer Education & Training
M.7206002575, 8929411222
Above IDBI Bank, Power House, Chowk, Rohtak
ADMISSION OPEN-2025

Sr. No.	Name of Course	Course Duration
1.	Computer Hardware and Networking Associate	52 (Weeks)
2.	Course In Computer Application	52 (Weeks
3.	Course in Digital Accounting	52 (Weeks
4.	Course in Designing and Publishing	52 (Weeks
5.	Course in Web Technology	52 (Weeks
6.	Course in Software Development	52 (Weeks
7.	Advanced Course in Computer Application	52 (Weeks
8.	Digital Marketing Assistant	26 (Weeks
9.	Software Or Application Testing Assistant	26 (Weeks
10.	Assistant PHP Developer	26 (Weeks)
11.	Hardware Peripheral and Installation Assistant	26 (Weeks
12.	Application Development -Android	26 (Weeks
13.	Course in IT Foundation and Tools	26 (Weeks
14.	Certificate Course in Computer Basics & Accounting	26 (Weeks)
15.	Certificate Course in Web Designing and Multimedia	26 (Weeks
16.	C Language	04 (Weeks
17.	C Plus Plus With Oops	08 (Weeks)
18.	PHP With Mysql	04 (Weeks)
19.	Core Java	06 (Weeks
20.	Advance Java	08 (Weeks
21.	Financial Accounting	06 (Weeks
22.	Autocad	08 (Weeks)
23.	Fundamentals of Cyber Security	06 (Weeks)
24.	Programming with Python	12 (Weeks)
25.	Fundamentals of Computer	12 (Weeks)

S.V. COLLEGE
18 वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत
हेल्थकेयर क्षेत्र में अपना भविष्य बनाने का सुनहरा मौका
Courses:- Limited Seats
DMLT
HOSPITAL MANAGEMENT
DOTT
Radio & Medical Imaging Technology
Eligibilty 12th in any Stream
All Para Medical Course
(6 Month Certificate, 2/3 Years Programme)
UNDER UGC & MHRD (Govt. of India) Approved
Online Course
(नौकरी के साथ पढ़ाई)
BA - MA | B. COM - M. COM
BCA - MCA | LLB - LLM
BBA - MBA | & many more...
UGC-अप्रूव्ड कोर्स के साथ काउंसिलिंग रजिस्ट्रेशन भी करवाया जाता हैं।
Jind Hissar Bypass Railway Bridge, (Nehru Colony) Rohtak -124001
98126-69100, 94665-10173

ADARSH COLLEGE OF EDUCATION
Adarsh School Of Nursing
MADINA, ROHTAK
Affiliated to Haryana Govt. HNRC & INC
ADMISSION OPEN
ANM 2 YEARS | GNM 3 YEARS | JBT 2 YEARS
LIMITED SEATS
SC/ST को सरकार से 100% फीस छात्रवृति
ELIGIBILITY: 10+2 in any stream with 45% Marks
SC/BC with 40% Marks | AGE LIMIT: 17-35 Years.
Required Nursing Tutors
रोहतक और नजदीक के गांव से बस सुविधा उपलब्ध
Mob.: 8307117069, 9306840763, 9485578148
Email: adarshschoolmadina@gmail.com

खबर संक्षेप

नरेंद्र बल्हारा प्रधान व भरत बने उपप्रधान

सांपला। एचएसईबी वर्क्स यूनियन का शनिवार को चुनाव हुआ। जिसमें नरेंद्र बल्हारा को प्रधान तो भरत को उपप्रधान चुना गया। जबकि प्रवेश ओहलायन सचिव बनाए गए। चुनाव की अध्यक्षता देवी राम और नरेंद्र खोखर ने की। सह सचिव जितेंद्र सहरावत और कोषाध्यक्ष संजीव बनाए गए। इसके अलावा सतीश कुमार, रवि कुमार, दीपक, संदीप, जितेंद्र, रविंद्र को भी जिम्मेदारी दी गई।

पायल सहारण का सम्मान समारोह आज

महम। रविवार 24 अगस्त को दोपहर दो बजे फरमाणा में नेशनल कबड्डी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर लौटी खिलाड़ी पायल सहारण का सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। विधायक बलराम सिंह दांगी सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि होंगे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी जितेंद्र उर्फ गुगन करेंगे।

कॉलेज में भौतिकी विभाग ने मनाया स्पेस डे

सांपला। सर छोटूराम राजकीय महिला महाविद्यालय में शनिवार को भौतिकी विभाग द्वारा स्पेस डे मनाया गया। इस अवसर पर छात्राओं के लिए पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, मॉडल प्रेजेंटेशन तथा चंद्रयान पर आधारित लघु फ़िल्म प्रदर्शन आयोजित किए गए। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष जसविंदर, डॉ. परमजीत तथा कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. चंदरशेखर ने छात्राओं को स्पेस डे के महत्व, भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों तथा विज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में भविष्य की संभावनाओं के बारे में मार्गदर्शन दिया। विजेता छात्राओं को सम्मानित किया गया।

महंत सतीश दास ने किया निर्माण कार्य का शुभारंभ

महम। जिला कष्ट निवारण समिति के सदस्य एवं सतगुरु मंदिर महम के महंत सतीश दास ने शनिवार को बहलबा गांव में नारियल फोड़कर और रीबन काटकर गली निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। दस लाख रुपये की लागत से इस गली का निर्माण कार्य किया जाएगा। महंत सतीश दास ने कहा कि राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा द्वारा महम हलके में अनेक विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। भाजपा सरकार सभी हलकों में समान विकास कर रही है।

उपायुक्त ने कई गांवों का दौरा करे पानी निकासी कार्यों का लिया जायजा

■ चिन्हित स्थानों के लिए जल निकासी की स्थायी परियोजना तैयार की जाए : उपायुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

उपायुक्त सचिन गुप्ता ने कृषि भूमि से बरसाती जल निकासी के लिए अतिरिक्त संसाधनों का प्रयोग करने के निर्देश दिए हैं। उपायुक्त ने शनिवार को कलानौर क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले आधा दर्जन से भी अधिक गांवों का दौरा कर बरसाती पानी की निकासी के कार्यों का जायजा लिया।

सचिन गुप्ता ने निर्देश देते हुए कहा कि कृषि भूमि से बरसाती पानी की निकासी जल्द से जल्द करने के लिए सभी जरूरी स्थानों पर तुरंत प्रभाव से कच्ची ड्रेन बनाई जाए। इसके साथ ही उन्होंने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि उन स्थानों को चिन्हित किया जाए जहां पर हर वर्ष जल भराव होता है। उन्होंने कहा कि चिन्हित स्थानों के लिए जल निकासी की स्थायी परियोजना तैयार की जाए ताकि हर वर्ष होने वाली बाढ़ बचाव कार्यों की बैठक में एजेंडा प्रस्तुत किया जा सके। उन्होंने कहा कि आवश्यकता अनुसार जल निकासी के लिए सभी जरूरी स्थानों पर अतिरिक्त पंप सेट लगाने व पाइप लाइन बिछाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही बिजली विभाग के अधिकारियों को पंप सेटों के लिए बिजली कनेक्शन तुरंत प्रभाव से जारी करने के निर्देश दिए गए। काहनौर लिंक ड्रेन का निरीक्षण करते हुए उपायुक्त सचिन गुप्ता ने ड्रेन में गिरे हुए बिजली के खंबे को हटाने व सफाई करने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने महम लिंक ड्रेन, बनियानी लिंक ड्रेन का भी निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। उपायुक्त ने गांव बनियानी, पटवापुर, बल्म, काहनौर, मसूदपुर, आंवल व निगाना गांव का दौरा करके जल निकासी के बारे में ग्रामीणों से बातचीत भी की। उन्होंने जल निकासी के लिए ग्रामीणों से जिला प्रशासन का सहयोग करने का भी आह्वान किया।

रोहतक। विभिन्न गांवों के दौरे के दौरान ग्रामीण से जानकारी लेते उपायुक्त सचिन गुप्ता। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

निरीक्षण के दौरान रोहतक के एसडीएम आशीष कुमार, जिला राजस्व अधिकारी प्रमोद चहल, सिंचाई विभाग के कार्यकारी अभियंता अरूण मुंजाल, खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी के अलावा विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

पुरानी आईटीआई पुल पर नगर निगम की ट्रैक्टर-ट्रालियां फैला रही गंदगी

कूड़ा ढककर न ले जाने से उड़ता कचरा, राहगीरों की सेहत पर मंडरा रहा खतरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर के व्यस्त इलाकों में साफ-सफाई की जिम्मेदारी निभाने वाली नगर निगम की ट्रैक्टर-ट्रॉलियां ही लोगों के लिए परेशानी का सबब बन रही हैं। पुरानी आईटीआई वाले पुल पर रोजाना निगम की ट्रॉलियां कचरा ढोते हुए गुजरती हैं, लेकिन उन पर कोई ढकने की व्यवस्था नहीं होती। इससे कचरा पूरे पुल पर बिखरता चला जाता है और लोगों को दुर्गंध, गंदगी व संक्रमण जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

स्थानीय निवासी जसबीर कुमार (पुराना हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी) ने बताया कि जब भी नगर निगम की ट्रैक्टर-ट्रॉलियां पुल से गुजरती हैं, तो कचरा उड़-उड़कर लोगों के कपड़ों और चेहरों पर आ गिरता है। पुल पर हर समय बड़ी संख्या में लोग पैदल चलते हैं और वाहन भी

निकलते हैं। ऐसे में यह कचरा न केवल राहगीरों के लिए असुविधा पैदा करता है बल्कि कई बार उनके मुंह और आंखों में भी चला जाता है।

उन्होंने बताया कि कचरे के कण जब सड़क पर गिर जाते हैं, तो उन्हें बाद में उठाया तक नहीं जाता। इससे पुल पर गंदगी का ढेर जमा हो जाता है और बदबू के कारण लोगों को गुजरना मुश्किल हो जाता है। बरसात के दिनों में यह गंदगी और भी खतरनाक रूप ले लेती है, क्योंकि कचरा नालियों में बहकर जलभराव की समस्या को बढ़ा देता है। स्वच्छता अभियान का नारा देने वाले नगर निगम की इस लापरवाही पर लोग सवाल उठा रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि खुले में ढोया जाने वाला कचरा न केवल प्रदूषण फैलाता है बल्कि डेंगू, मलेरिया और हैजा जैसी बीमारियों को भी बढ़ावा देता है। छोटे-छोटे पॉलिथिन, कागज और धूलकण हवा में उड़कर सांस संबंधी बीमारियों का कारण बन सकते हैं। लोगों का कहना है कि नगर निगम को चाहिए कि वह अपनी ट्रॉलियों को ढककर चलाने के निर्देश जारी करे। कई शहरों में पहले से ही ऐसा प्रावधान है कि यदि कोई वाहन कचरा ढककर नहीं लाता, तो उस पर जुर्माना लगाया जाता है।

कचरे की ट्रॉली हो ढकी हो

जसबीर कुमार और अन्य नागरिकों ने नगर निगम कमिश्नर से मांग की है कि इस समस्या का तुरंत समाधान किया जाए। उनका कहना है कि ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को पॉलीथिन, तिरपाल या किसी और ढकने वाले साधन से कवर करके चलाया जाए। इससे कचरा उड़कर सड़क या लोगों पर नहीं गिरेगा और सफाई व्यवस्था भी बेहतर बनी रहेगी। लोगों ने यह भी कहा कि निगम कर्मियों को जिम्मेदारी के साथ यह सुनिश्चित करना चाहिए कि पुल और सड़कों पर कहीं भी कचरा फैला न रहे। यदि ट्रॉली से कचरा गिर भी जाए तो तुरंत उसे उठाया जाए, ताकि राहगीरों को दिक्कत न हो।

निगम प्रशासन पर कार्रवाई का दबाव: अब लोगों को उम्मीद है कि नगर निगम प्रशासन इस शिकायत पर गंभीरता से ध्यान देगा और जल्द से जल्द समाधान करेगा। यदि ऐसा नहीं हुआ तो नागरिकों ने चेतावनी दी है कि वे आंदोलन का रास्ता अपनाने के लिए मजबूर होंगे। उनका कहना है कि शहर में स्वच्छता बनाए रखने के लिए जिस प्रणाली को जिम्मेदार बनाया गया है, वही लापरवाही कर रही है। पुरानी आईटीआई वाला पुल, जो हजारों लोगों की रोजमर्रा की आवाजाही का हिस्सा है, वहां हर दिन कचरे का फैलाव जनता को परेशान कर रहा है।

काठमंडी पंचायत समिति की बैठक, प्लाट आवंटन पर विचार-विमर्श, अधिक दाम को लेकर जताई चिंता

रोहतक। शाम को रईया वाली धर्मशाला में मीटिंग हुई काठमंडी प्रधान उमेद सिंह की अध्यक्षता में बैठक हुई, नई काठमंडी के लिए प्लाट आवंटन पर विचार विमर्श किया गया। यहां सभी व्यापारी भाइयों ने प्लाट के नए दाम अधिक होने को चिंताजनक बताया। इस पर सभी ने एक स्वर में विरोध जताया। और यह फैसला लिए की सोमवार को पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर से मिलेगें और समस्या का समाधान निकालने की अपील करगें । इस बैठक में राजीव यादव,राजेश, केशो राम, दीपक कुमार,पार्षद विजय गोपल व सभी काठमंडी के व्यापारी शामिल रहे।

पं. नेकीराम शर्मा राजकीय महाविद्यालय में सेमिनार का आयोजन, करियर विकल्पों की जानकारी दी

रोहतक। पं. नेकीराम शर्मा राजकीय महाविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग में "फॉरेंसिक मनोविज्ञान एवं करियर मार्गदर्शन" पर एक विशेष सत्र आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. सुमन श्योराण, फॉरेंसिक मनोविज्ञान एवं असत्य कथन पहचान (लाई डिटेक्शन) के क्षेत्र में कार्यरत वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, मधुबन स्थित राज्य फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (पुलिस विभाग) ने मनोविज्ञान के विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को फॉरेंसिक मनोविज्ञान के महत्व, इसके करियर विकल्पों तथा भविष्य में इसके व्यापक दायरे के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के प्राचार्य ने भी विद्यार्थियोंको मार्गदर्शन प्रदान किया तथा उन्हें इस क्षेत्र में अनुसंधान और रोजगार की संभावनाओं को समझने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश सिंह, डॉ. मीनाक्षी दलाल, डॉ. अनीता मलिक और डॉ. सुनील राठी भी उपस्थित रहे। सत्र के अंत में विद्यार्थियों ने डॉ. सुमन श्योराण से सीधे संवाद किया।

शाइनिंग स्टार्स स्कूल में घोषित हुआ पूर्व मध्य अवधि परीक्षा परिणाम, प्रधानाचार्या ने दी बधाई

रोहतक। शाइनिंग स्टार्स में पूर्व मध्य अवधि परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने अपने अभिभावकों के साथ उत्साहपूर्वक भाग लिया। परीक्षा परिणाम विद्यालय प्रांगण में एक सौहार्दपूर्ण वातावरण में घोषित किए गए, जहां बच्चों की मेहनत और लगन साफ झलक रही थी। विद्यार्थियों ने अपनी कक्षा के अनुसार संतोषजनक प्रदर्शन किया। परिणाम देखकर बच्चों और अभिभावकों के चेहरों पर संतोष और प्रसन्नता दिखाई दी तथा सभी ने विद्यालय की शिक्षण पद्धति की व सहगामी गतिविधियो की सराहना की। बच्चों ने यह संकल्प लिया कि आगामी परीक्षाओं में वे और बेहतर प्रदर्शन करेंगे। प्रधानाचार्या डॉ. ममता मलिक ने विद्यार्थियों को उनकी मेहनत और लगन के लिए बधाई दी तथा उन्हें आगे भी निरंतर परिश्रम करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यालय इंचार्ज कुसुम, रिचा, पायल शर्मा, शिल्पा, पायल, मोनिका, गीतिका, योगिता, चारू, विशु, अनु ,भावना,मोनिका आर्य उपस्थित रहीं।

जॉन वेस्ले कॉन्वेंट स्कूल में अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन,पाठ्यक्रम को लेकर की चर्चा

रोहतक। गोहाना रोड स्थित जॉन वेस्ले कॉन्वेंट में अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया, जो दो चरणों में संपूर्ण हुई। इस बैठक में अभिभावकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य बच्चे द्वारा दिखाए गए प्रगति के संबंध में शिक्षकों के साथ माता-पिता की घनिष्ट बातचीत और बच्चे के विकास के रास्ते में आने वाली समस्याओं का व्यावहारिक समाधान खोजना है। अभिभावकों ने अध्यापकों के साथ मिलकर अपने बच्चों के सह पाठ्यक्रम, गतिविधियों पर, स्वभाव व अनुशासन संबंधी दिक्कतों तथा उनके सर्वांगीण विकास के लिए परामर्श किया। प्रधानाचार्या डॉ. ममता मलिक ने कहा कि अभिभावक और अध्यापक गण दोनों मिलकर विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य का निर्माण कर सकते हैं। इस अवसर पर उप प्रधानाचार्या मशोंका, सुमित, किरण, रेशमा, रेखा, विन्नी, रितु, शोभा, दीपमाला, हर्ष, सीमा शर्मा, कनिका,वरूणी, स्नेहलता आदि मौजूद रहे।

सरकारी ग्रांट दिलाने पर निंदाना में ग्रामीणों ने राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगडा का किया स्वागत

महम। निंदाना में राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा का स्वागत करते ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

महम। राज्य सभा सांसद रामचंद्र जांगडा का महम हलका के गांव निंदाना में पहुंचने पर फूल मालाओं से और पगड़ी पहनाकर जोरदार स्वागत किया गया। ग्रामीणों ने गांव में चारदीवारी और शेड निर्माण के लिए 17 लाख ग्रांट मंजूर करवाने के लिए सांसद जांगड़ा का आभार जताया। ग्रामीणों ने सांसद का स्वागत करते हुए कहा की सांसद रामचंद्र जांगडा के पास जिस भी विकास कार्य के लिए गए उसे तुरंत प्रभाव से पूरा करवाते हैं। सांसद जांगडा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी ने उन्हें जिम्मेदारी दी है जिसका वे निर्वहन कर रहे है और मुख्यमंत्री नायब सैनी का उनसे लगाव थोड़ा ज्यादा है, इसलिए वे महम हलके का कार्य तुरंत प्रभाव से मंजूर कर देते हैं। उन्होंने कहा की उनके जिम्मेदारी सम्भालने के बाद महम क्षेत्र में करोड़ों रुपये के विकास कार्य शुरू हो चुके हैं। उन्होंने कहा की वे बिना किसी भेदभाव के काम करने में विश्वास करते हैं और अपना काम वे बखूबी कर रहे है। इस अवसर महंत सतीश दास और डॉक्टर कृष्ण लांबा का भी गांव वासियों ने स्वागत किया। इस अवसर पर रामनिवास रोहिला, राजेश रोहिल्ला, रेखा रोहिला, पंचायत समिति महम के अध्यक्ष नवनीत राठी, परवीन खत्री, रणधीर बड़ाली, राजेश नेहरा, भाजपा महम मंडल अध्यक्ष अमित जांगडा समेत कई सदस्य मौजूद थे।

खेल केवल प्रतियोगिता का साधन नहीं, बल्कि जीवन को अनुशासित बनाने का मार्ग: सांगवान

रोहतक। शिक्षा भारती वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में शनिवार को विद्या भारती हरियाणा द्वारा आयोजित 36वें क्षेत्रीय खेलकूद समारोह का शुभारंभ खेलों के उद्घाटन के साथ हुआ। विद्यार्थियों ने आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सभी अतिथियों और दर्शकों का मन मोह लिया। मुख्य अतिथि कैप्टन अशन कुमार सांगवान (अर्जुन अवार्ड एवं द्रोणाचार्य अवार्ड से सम्मानित) ने कहा कि खेल केवल प्रतियोगिता का साधन नहीं, बल्कि जीवन को अनुशासित बनाने का मार्ग हैं। खिलाड़ी जब मैदान में पसीना बहाता है, तो वही पसीना उसके जीवन की सफलता की गारंटी बन जाता है। विशिष्ट अतिथि सचिन के (उप निदेशक) ने कहा कि आज के समय में शिक्षा और खेल का संतुलन ही विद्यार्थियों को ऊंचाई तक पहुंचाता है।

भारत की संस्कृति में खेलों का विशेष स्थान: मुख्य वक्ता सुरेन्द्र अत्री ने कहा कि भारत की संस्कृति में खेलों का विशेष स्थान रहा है। प्राचार्य जितेन्द्र कुमार ने कहा कि विद्यालय में आयोजित 36वें क्षेत्रीय खेलकूद समारोह का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में खेल भावना, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता का विकास करना है। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष डॉ. आदित्य बत्रा, उपाध्यक्ष उद्योगपति करन विग, प्रबंधक राम चरण सिंगला, कोषाध्यक्ष एसके गुप्ता एवं डॉ. दिनेश मदान ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

अंडर-23 नेशनल रेसलिंग चैंपियनशिप में हरियाणा का जलवा, महिला वर्ग ने 10 में से 10 पदक जीते

रोहतक। रांची में जारी अंडर-23 सीनियर नेशनल रेसलिंग चैंपियनशिप 2025 में हरियाणा की महिला टीम ने शनिवार इतिहास रच दिया। हरियाणा की बेटियों ने महिला वर्ग के सभी वजन वर्गों में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 10 पदक अपने नाम किए। रेसलिंग हरियाणा एसोसिएशन के प्रधान रमेश बोहर ने टीम के इस प्रदर्शन पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि हरियाणा की पहलवानों ने राज्य और देश का नाम रोशन किया है। उन्होंने कोचों, खिलाड़ियों और गुरुजनों को बधाई देते हुए कहा कि यह जीत युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा बनेगी। महिला टीम के इस 100 प्रतिशत सफलता प्रदर्शन ने प्रतियोगिता में एकतरफा दबदबा कायम किया। खेल विशेषज्ञों के मुताबिक, यह उपलब्धि साबित करती है कि महिला कुश्ती में देश को शीर्ष प्रतिभाएं दे रहा है।

इन्होंने जीते पदक : 50 किग्रा में हनी कुमारी का स्वर्ण पदक, 53 किग्रा हंसिका लाम्बा का स्वर्ण पदक, 55 किग्रा निशा का कांस्य पदक, 57 किग्रा अंजली का कांस्य पदक, 59 किग्रा सारिका मलिक का रजत पदक, 62 किग्रा सविता का स्वर्ण पदक, 65 किग्रा पुलकित का स्वर्ण पदक, 68 किग्रा कीर्ति का रजत पदक, 72 किग्रा मंजू कुमारी का स्वर्ण पदक व 76 किग्रा सिमरन का स्वर्ण पदक रहा है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

पर्यावरण संरक्षण

अभियान के तहत 82,000 पौधे लगाने का लक्ष्य

स्वामी नितानंद मिशन फाउंडेशन ने 1100 पौधों का किया वितरण

स्वामी नितानंद महाराज के 225वें निर्वाण दिवस पर चलाया पौधरोपण अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

स्वामी नितानंद मिशन फाउंडेशन जटेला धाम दूबलधन माजरा डी के महंत स्वामी राजेंद्र दास महाराज के निर्देशन में हरियाणा में चलाए जा रहे पौधरोपण अभियान के तहत शनिवार को गिरावड़ गांव के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में पौधरोपण अभियान चलाया गया। इस दौरान स्कूल में छात्रों को पौधे भी बांटे गए, ताकि वे अपने घर या आसपास खाली जमीन पर पौधरोपण कर सकें। इस दौरान स्वामी नितानंद मिशन फाउंडेशन जटेला धाम के सदस्य संदीप राठी स्कूल में पौधे लेकर पहुंचे और इसने वितरण में अहम भूमिका निभाई। वहीं, पाकस्मा गांव के राजकीय ब्वॉज वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में भी पौधे बांटे गए।

दोनों जगहों पर करीब 1100 पौधों का वितरण किया। स्वामी नितानंद मिशन फाउंडेशन की सदस्य नेहा राणा ने बताया कि जटेला धाम की तरफ से एक पौधा मां के नाम अभियान के तहत हजारों पौधे प्रदेश के विभिन्न जिलों में लगाए जा चुके हैं। फाउंडेशन के लक्ष्य पर्यावरण को शुद्ध बनाना है, ताकि प्रदेश में ऑक्सीजन की कमी न रहे। उन्होंने बताया कि जटेला धाम माजरा में स्वामी नितानंद जी महाराज के 225वें निर्वाण दिवस पर एक बड़ा पौधरोपण अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत 82,000 पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें से 42,000 से पौधे वितरित किए जा चुके हैं। पौधरोपण का लक्ष्य जल्द हासिल कर लिया जाएगा। फाउंडेशन पौधरोपण के अलावा भी समाज सेवा में हमेशा आगे रहती है।

रोहतक। गांव गिरावड़ और पाकस्मा के सरकार स्कूल में बांटे पौधे। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद: इस मौके पर स्कूल के प्रिंसिपल सुरेंद्र कुमार, लीपिक संजय कुमार, शिक्षक नीलम, सुनीता, सुमन लता, शशी शर्मा, अशोक कुमार, अंजू बाला, सत्यदेव, अनिल कुमार, शिवम और स्टाफ के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

रोहतक, रविवार 24 अगस्त 2025

भगवान गणपति के प्रसिद्ध-भव्य मंदिर

विशेषः गणेश चतुर्थी
27 अगस्त

आवरण कथा
रजनी अरोड़ा

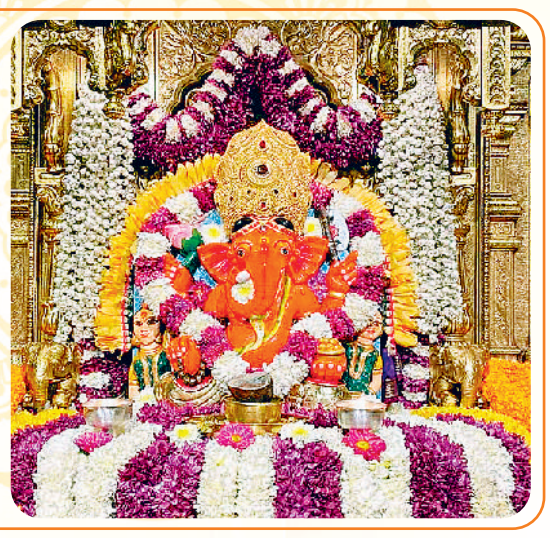

भारतीय धार्मिक परंपराओं में भगवान गणेश का स्थान सभी देवताओं में सर्वप्रथम पूज्यनीय माना जाता है। प्रतिवर्ष भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को गणेशोत्सव मनाया जाता है। इस अवसर पर देश के अलग-अलग राज्यों में स्थित भगवान गणेश के मंदिरों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्रित होते हैं। इनमें से कुछ भव्य-प्रसिद्ध मंदिरों के बारे में यहां बता रहे हैं।

श्री सिद्धिविनायक मंदिर (मुंबई) महाराष्ट्र

यह भारत में गणेश जी के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। इस मंदिर का निर्माण 1801 में लक्ष्मण विठु और देउबाई पाटिल ने कराया था। इस मंदिर में गणपति बप्पा की प्रतिमा को काले पत्थर पर तराश कर बनाया गया है और गणपति जी अपनी दोनों पत्नी रिद्धि-सिद्धि के साथ यहां विराजमान हैं। पहले सिद्धिविनायक मंदिर की मूल संरचना काफी छोटी थी, लेकिन बाद में इस मंदिर का पुनर्निर्माण कराया गया। आज यह मंदिर पांच मंजिला बन चुका है। यहां गणेश जी को सिद्धिविनायक कहा जाता है, क्योंकि उनकी मूर्ति की सूंड़ दाईं ओर मुड़ी हुई है और सीधी पेट से जुड़ी हुई है। गणेशजी को नवसाचा गणपति भी कहा जाता है, जिसका अर्थ है कि अगर आप सच्चे मन से कुछ मांगते हैं, तो वह अवश्य प्राप्त होता है। यहां रोजाना लाखों की संख्या में भक्त गणपति बप्पा के दर्शन के लिए आते हैं। मंदिर प्रांगण में एक अस्पताल भी है, जहां लोगों का मुफ्त इलाज किया जाता है। इसके अलावा मंदिर में रसोईघर, प्रवचन मंडप और गणेश संग्रहालय भी हैं। *

रणथंभौर त्रिनेत्र गणेश मंदिर राजस्थान

यह मंदिर राजस्थान प्रांत में सवाई माधोपुर जिले में स्थित है, जिसे 10वीं सदी में रणथंभौर के राजा हमीर ने बनवाया था। यह विश्व धरोहर में शामिल रणथंभौर दुर्ग के भीतर बना है। यहां गणेश जी को रणतभंवर रणक भंवर नाम से भी जाना जाता है। पूरी दुनिया में यह ऐसा अनूठा मंदिर है, जहां गणेश जी की मूर्ति का रंग नारंगी है और अपने पिता शिवजी के समान तीन नेत्रों को धारण करके विराजमान हैं। इसकी एक और खासियत है कि यहां भगवान गणेश के पूरे परिवार को स्थापित किया गया है। इसमें गणेश जी अपनी दोनों पत्नियों रिद्धि-सिद्धि और पुत्रों शुभ-लाभ के साथ शोभायमान हैं। पौराणिक मान्यता है कि हजारों साल पहले भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मणि के विवाह का निमंत्रण-पत्र इस मंदिर में भेजा गया था। तब से यह मंदिर भगवान को निमंत्रण-पत्र भेजने के लिए मशहूर है। स्थानीय लोगों के घर जब कभी शादी-ब्याह जैसा कोई मंगल कार्य होता है, तो वो सबसे पहले गणेश जी के नाम कार्ड भेजना नहीं भूलते, यानी अपना न्यौता रणथंभौर के गणेश मंदिर में देते हैं। गणेश चतुर्थी के मौके पर यहां हर साल भव्य गणेश मेला भी लगता है। *

उच्ची पिल्लैयार मंदिर तमिलनाडु

तिरुचिरापल्ली के रॉकफोट के शिखर पर यह मंदिर स्थित है। पल्लवों द्वारा चट्टान को काटकर निर्मित कराए गए इस मंदिर की शैल वास्तुकला अद्भुत है। इस मंदिर की कहानी रामायण काल से जुड़ी हुई है। रावण को पराजित करने के बाद भगवान राम ने विष्णु जी की एक मूर्ति विभीषण को लंका ले जाने के लिए दी थी। देवी-देवता ऐसा नहीं चाहते थे। इसलिए गणेश जी ने एक ग्वाले का रूप लिया और विभीषण को मूर्ति लंका ले जाने से रोका। विभीषण ने क्रोधित होकर उस ग्वाले के सिर पर वार किया, जिससे उसके सिर पर एक निशान पड़ गया। उसके बाद गणेश जी अपने असली रूप में आए। विभीषण ने उनसे माफी मांगी। आज भी इस मंदिर में स्थापित प्रतिमा के सिर पर एक निशान है। इस मंदिर तक पहुंचने के लिए 417 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। यहां रोजाना भगवान गणेश की 6 आरतियां की जाती हैं। 10 दिन का गणेश चतुर्थी उत्सव यहां बेहद धूमधाम से मनाया जाता है। *

कनिपक्कम विनायक मंदिर आंध्र प्रदेश

चित्तूर में स्थित कनिपक्कम विनायक, गणपति का एक विशेष मंदिर है। यह मंदिर नदी के बीचों-बीच स्थित है। इस मंदिर को 11वीं सदी में चोल राजा कोलोत्तुम चोल प्रथम ने बनवाया था। बाद में 14वीं सदी के प्रारंभ में विजयनगर साम्राज्य के शासकों ने इस मंदिर का विस्तार कराया। यह मंदिर अपनी प्राचीन शिल्प कला और खूबसूरत डिजाइन के लिए विख्यात है। यहां गणेश जी की मूर्ति स्वयंभू (स्वतः प्रकट) है। लेकिन पिछले कई सालों से चमत्कार स्वरूप इस मंदिर में भगवान गणेश की मूर्ति के पेट और घुटने का आकार लगातार बढ़ रहा है। यहां ब्रह्मोत्सवम और गणेश चतुर्थी का उत्सव 21 दिनों तक चलता है। इस मंदिर को पानी के देवता का मंदिर भी कहा जाता है। तिरुपति मंदिर से 75 किलोमीटर दूर स्थित इस मंदिर में भक्त प्रथम पूज्य गणेश के दर्शन के लिए जरूर आते हैं। मान्यता है कि यहां पवित्र जल में डुबकी लगाने से सभी समस्याओं का समाधान हो जाता है। *

बड़े गणेश जी का मंदिर म.प्र.

मध्य प्रदेश के उज्जैन में प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर के पास स्थित बड़े गणेश जी का यह भव्य मंदिर है। इस मंदिर में स्थापित गणपति जी की प्रतिमा विश्वभर में स्थापित विशाल मूर्तियों में से एक है, जिसका निर्माण महर्षि गुरु महाराज सिद्धांत वागेश पं. नारायण जी व्यास ने करवाया था। गणपति बप्पा की इस मूर्ति में सीमेंट के बजाय गुड़ और मेथी दानों के साथ ईंट, चूने और रेत का प्रयोग किया गया है। मूर्ति को बनाने में सभी पवित्र तीर्थ स्थलों का जल और सात मोक्षपुरियों-मथुरा, द्वारिका, अयोध्या, कांची, उज्जैन, काशी और हरिद्वार से लाई हुई मिट्टी भी मिलाई गई है। इस वजह से इस मंदिर की मान्यता और बढ़ गई है। *

बाल गणपति मंदिर गोवा

गोवा के पोंडा में स्थित यह मंदिर भगवान गणेश के बाल स्वरूप को समर्पित है। जहां उनकी पूजा छोटे बच्चे के रूप में की जाती है। मंदिर का वातावरण अत्यंत शांत और भक्तिमय है, जो भक्तों को अलग तरह का आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करता है। मंदिर की वास्तुकला गोवा की पारंपरिक और आधुनिक शैलियों का सुंदर समायोजन है। यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक दर्शन के लिए आते हैं। मान्यता है कि यहां दर्शन करने से जीवन में आने वाले संकट दूर होते हैं और मनोकामनाएं पूरी होती हैं। गणेश चतुर्थी के अवसर पर यहां विशेष पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और शोभायात्रा का आयोजन किया जाता है। *

सामाजिक-सांस्कृतिक एकता का अद्वितीय प्रतीक है गणेशोत्सव

गणेश चतुर्थी से पूरे देश और विशेषकर महाराष्ट्र में गणेशोत्सव का उल्लास देखते ही बनता है। सामाजिक और सांस्कृतिक एकता के प्रतीक इस उत्सव का ऐतिहासिक महत्व भी कम नहीं है। यहां इसके शुभ मुहूर्त और पूजन के बारे में भी बता रहे हैं।

पर्वोल्लास / आर.सी. शर्मा

गणेश चतुर्थी यानी देशभर में मनाया जाने वाला गणेशोत्सव का पर्व महज धार्मिक पर्व भर नहीं है। यह हमारे देश की सामाजिक और सांस्कृतिक एकता का एक मजबूत प्रतीक भी है।

प्रतिमा स्थापना-पूजनः गणेश चतुर्थी का पर्व हर साल भाद्रपद माह की शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि के दिन मनाया जाता है। इस दिन देशभर में बड़ी धूमधाम से गणपति प्रतिमाओं की स्थापना होती है। इस साल 26 अगस्त 2025 की दोपहर 1 बजकर 54 मिनट से प्रारंभ होकर 27 अगस्त 2025 की रात तक गणपति स्थापना का शुभ मुहूर्त है। इस तरह दो दिन से लेकर 10 दिन तक मनाए जाने वाले गणेशोत्सव की शुरुआत 27 अगस्त 2025 से होगी। इस साल 27 अगस्त को गणपति स्थापना के बाद 6 सितंबर 2025 यानी अनंत चतुर्दशी के दिन तक यह पर्व मनाया जाएगा। इसके बाद गणपति विसर्जन होगा।

अगर कर रहे प्रतिमा स्थापितः गणेश पुराण के मुताबिक गणेश चतुर्थी को भगवान गणेश का जन्म हुआ था। इसलिए भक्तगण इस दिन अपने घरों या सार्वजनिक पूजा स्थलों पर गणेश प्रतिमा स्थापित करते हैं। अगर आप पहली बार अपने घर में विघ्न विनाशक गणपति बप्पा की प्रतिमा स्थापित कर रहे हैं तो कुछ बातों का विशेष रूप से ध्यान रखें। जिन गणेश प्रतिमाओं में उनकी सूंड़ बाईं तरफ होती है, ऐसी प्रतिमाओं को घर लाना शुभ माना जाता है। अगर इस बार आपका पहला गणपति स्थापना उत्सव है, तो अपने घर बैठी हुई प्रतिमा ही लाएं, जो सुख, समृद्धि का प्रतीक होती है। भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापना हमेशा ईशान कोण में करनी चाहिए।

गणपति प्रतिमा स्थापना काठ की चौकी पर करना सबसे पवित्र होता है। लेकिन इस चौकी में गणपति स्थापना के पहले इसकी गंगा जल से पवित्र कर लेना चाहिए। गंगा जल और पंच द्रव्यों से चौकी की धुलाई करने के बाद उस पर लाल कपड़ा बिछाकर भगवान गणेश को प्रतिस्थापित करना चाहिए। ध्यान रखें, आपकी स्थापित मूर्ति में गणेश जी का हाथ आशीर्वाद देती मुद्रा में होना चाहिए और उनके दूसरे हाथ में मोदक होना चाहिए। भगवान गणेश की ऐसी प्रतिमा को सबसे शुभ माना जाता है।

महाराष्ट्र का भव्य पर्वः यूं तो पूरे देश में गणेश चतुर्थी का पर्व खूब धूम-धाम से मनाया जाता है। लेकिन महाराष्ट्र में इस पर्व को लेकर देश में सबसे ज्यादा उल्लास होता है। हो भी क्यों न, आखिर आधुनिक गणेश उत्सव की शुरुआत सन 1893 में महाराष्ट्र से ही हुई थी। लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने 1893 में गणेश चतुर्थी के पर्व को आधुनिक सार्वजनिक उत्सव का रूप दिया और इस तरह अंग्रेजों के विरुद्ध देशवासियों को सामाजिक एकता के जरिए एकत्रित किया। आज का गणेशोत्सव बहुत कुछ उसी दौर की परंपरा का विस्तार है। यहां गणेशोत्सव सामुदायिक भावना, संगीत, नृत्य, कला, अनुराग और मिलन का इंद्रधनुषी पर्व बन चुका है। इसलिए महाराष्ट्र में यह पर्व धार्मिकता से बढ़कर पहचान और सांस्कृतिक विरासत के उत्सव का रूप ले चुका है। हालांकि महाराष्ट्र में भी यूं तो गणेशोत्सव हर गली, हर घर और हर मुहल्ले में किसी न किसी रूप से मनाया जाता है। लेकिन मुंबई और पुणे ये दो ऐसे शहर हैं, जहां गणेशोत्सव सबसे ज्यादा धूमधाम के साथ मनाया जाता है। मुंबई और पुणे में यह पर्व उत्सव की धूम के साथ-साथ हर साल बढ़ती भव्यता के रूप में भी देखा जाता है। महाराष्ट्र राज्य में गणेशोत्सव को राज्योत्सव के रूप में मनाया जाता है। इसलिए यहां सिर्फ घरों में ही नहीं मैदानों और सोसाइटीज में भी गणपति के भव्य पंडाल लगाए जाते हैं और अगले दस दिनों तक पूरे राज्य में गणपति बप्पा के जयकारे गूंजते हैं। महाराष्ट्र का भव्य गणेशोत्सव आज न सिर्फ भारत में, विदेशों में भी अपनी पहचान कायम कर चुका है।

मुंबई-पुणे की प्रसिद्ध गणेश पूजाः मुंबई में लालबागचा का राजा यानी लाल बाग में स्थापित की जाने वाली गणेश प्रतिमा का उत्सव सबसे ज्यादा धूमधाम से मनाया जाता है। लालबाग के पंडाल में गणेश प्रतिमा स्थापित हो जाने के बाद यहां महाराष्ट्र और देश-विदेश के कोने-कोने से आने वाले भक्तों का तांता लगा रहता है। माना जाता है कि लालबागचा के राजा यानी नौ साझा गणपति का एक बार दर्शन भर कर लेने से मनोकामना पूरी हो जाती है। इसलिए मुंबई के लालबाग इलाके में स्थापित गणेश प्रतिमा के इस पूरे उत्सव के दौरान करोड़ों भक्त दर्शन करते हैं। लालबाग के बाद मुंबई में गिर गांव चौपाटी और केतवाड़ी, सिद्धिविनायक मंदिर में स्थापित होने वाले गणेश पंडाल सबसे ज्यादा भव्य होते हैं, जहां हर दिन गणपति के दर्शन के लिए लाखों भक्त आते हैं।

मुंबई के बाद कुछ विशेष गणेश पंडालों के आकर्षण का यह जलवा पुणे शहर में भी दिखता है। विशेषकर यहां दगडु सेठ हलवाई गणपति टेंपल और तुलसी बाग गणपति का जिक्र होता है। पूरे महाराष्ट्र भर से ही नहीं देश के विभिन्न स्थानों से भी इन पंडालों में गणेश प्रतिमाओं का दर्शन करने लोग आते हैं। *

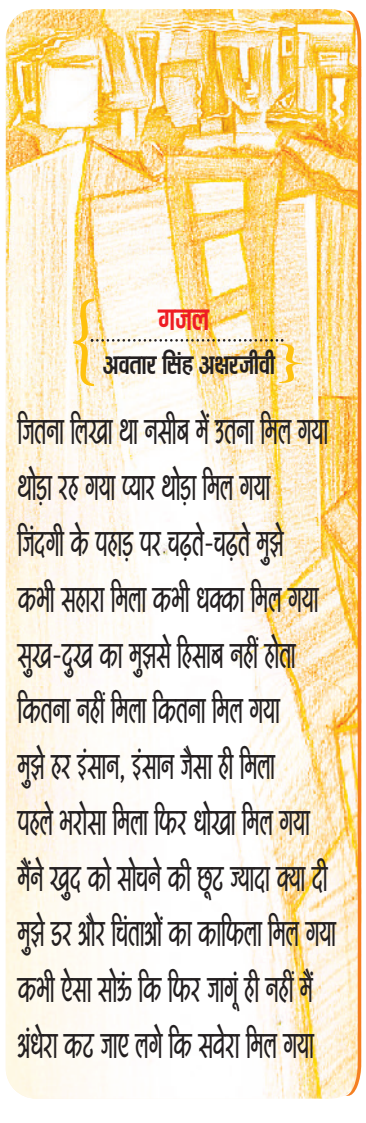

गजल
अवतार सिंह अक्षरजीवी

जितना लिखा था नसीब में उतना मिल गया
थोड़ा रह गया प्यार थोड़ा मिल गया
जिंदगी के पहाड़ पर चढ़ते-चढ़ते मुझे
कभी सहारा मिला कभी धक्का मिल गया
सुख-दुख का मुझसे हिसाब नहीं होता
कितना नहीं मिला कितना मिल गया
मुझे हर इंसान, इंसान जैसा ही मिला
पहले भरोसा मिला फिर धोखा मिल गया
मैंने खुद को सोचने की छूट ज्यादा क्या दी
मुझे डर और चिंताओं का काफिला मिल गया
कभी ऐसा सोऊं कि फिर जागूं ही नहीं मैं
अंधेरा कट जाए लगे कि सवेरा मिल गया

लघुकथाएं

एक अकेला

सेवानिवृत्त अध्यापक आत्माराम जी हर मौसम में अपने साथ छाता लिए बिना घर से बाहर नहीं निकलते। छाता और आत्माराम मानो एक-दूसरे के पूरक बन चुके हैं। पीठ पीछे कुछ लोग उन्हें छाताराम, छतरीवाला, अंब्रेला मैन कह कर हंसी उड़ाते हैं। आत्माराम जी के घनिष्ठ मित्र चतुरमल ने उन्हें एक बार समझाने की कोशिश की तो वह बोले, 'देखो भाई, लोगों द्वारा पीठ पीछे खिल्ली उड़ाने के कारण मैं अपनी सेहत से समझौता नहीं कर सकता। धूप में बिना छाते के चलने पर त्वचा झुलस जाती है, लू लगने का खतरा रहता है। बारिश के मौसम में भीगकर सर्दी-जुकाम होने का डर रहता है। लोगों की परवाह किए बिना अपनी पसंद की वेशभूषा पहनना, घूमना-फिरना और रहना चाहिए।' आत्माराम की बात के आगे चतुरमल चुप रह गए।

आत्माराम जी को एक विवाह समारोह में शामिल होना था। उन्होंने नए कपड़े पहने। छाता लेकर घर से निकलने लगे तो पत्नी शांति ने उन्हें टोका, 'नए कपड़े के साथ पुराना छाता टाट में पैबंद लग रहा है। अभी तो पानी भी नहीं बरस रहा है। काहे छाता लेकर जा रहे हो?'

'आजकल बारिश का कोई भरोसा नहीं होता है। नवंबर, दिसंबर और मार्च, अप्रैल में भी पानी गिरते देखा है। अभी तो अगस्त का महीना है।' आत्माराम ने पत्नी को जवाब दिया और प्रतिक्रिया जाने बिना घर से निकल गए।

आत्माराम जी को विवाह समारोह में पीठ पीछे यूं छाता लटकाए देखकर कुछ लोग मुस्कुराए। कइयों ने अपनी हंसी को मुश्किल से रोका। आत्माराम सभी से आत्मीयता से मिले। वर-वधु को आशीर्वाद दिया। भोजन किया। इतने में बारिश होने लगी। जो लोग कार में आए थे, वे सब निश्चिंत दिखे। बाकी लोगों के पास बरसात थमने की प्रतीक्षा करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। आत्माराम ने अपना छाता खोला और बेफिक्र होकर अपने घर की ओर चल पड़े। वो लोग जो, अभी कुछ देर पहले उन पर हंस रहे थे, उन्हें देखते रह गए। *

-अशोक वाधवाणी

नाक का सवाल!

आज गुप्ता परिवार में विवाह की पचासवीं वर्षगांठ मनाने की तैयारी थी। इस अवसर पर लगभग सभी रिश्तेदारों को बुलाया गया।

'बड़े भैया नहीं आए अभी तक... काफी देर हो चुकी है।' गुप्ता जी ने अपनी पत्नी से कहा।

'आ जाएंगे... थोड़ा और इंतजार कर लीजिए।' पत्नी ने जवाब दिया।

उसी समय बड़े भैया ने समारोह स्थल पर पैर रखे। नशे में चूर, उनके कदम लड़खड़ा रहे थे।

'भैया आपने शराब पी रखी है, आपने तो जीवन में कभी शराब को छुआ तक नहीं... और आज...!' गुप्ता जी ने उन्हें संभालते हुए पूछा।

'अरे तुमने मेरा दिल जलाया है.. दिल... नाक कटवा दी मेरी... जब मैंने अपने विवाह की पचासवीं वर्षगांठ नहीं मनाई तो तुमने क्यों मनाई... मुझे नीचा दिखाने के लिए। लोग क्या कहेंगे कि बड़ा भाई कंजूस.. मक्खीचूस निकला।' बड़े भैया ने लड़खड़ाती आवाज में जवाब दिया।

'अरे भैया न दिल जलाया आपका और न ही नाक कटी आपकी। बल्कि आपकी नाक रख ली मैंने। आज आपकी ही तो शादी की सालगिरह है। वहां देखिए, भाभी जी बन-संवर के आपकी प्रतीक्षा कर रही हैं।' गुप्ता जी ने स्टेज की तरफ इशारा किया। बड़े भैया ने जैसे ही स्टेज पर अपनी पत्नी को देखा, उनका नशा छू-मंतर हो गया। उनके मुंह से निकला, 'भाई हो तो ऐसा...!' *

-गोविंद भारद्वाज

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

दिल्ली मेट्रो की कहानी

दिल्ली-एनसीआर में रहने वाले लोग ही नहीं, देश-विदेश से यहां आने वाले लोग भी दिल्ली मेट्रो में सफर करने पर इसकी तारीफ किए बिना नहीं रह पाते हैं। वास्तव में पिछले लगभग तेईस वर्षों से दिल्ली मेट्रो, यहां की लाइफलाइन की भूमिका बखूबी निभा रही है। इसकी परिकल्पना, इसकी शुरुआत, इसकी विशेषताओं और फिर निरंतर इसके होते विस्तार की यात्रा-कथा को आंकड़ों, चित्रों और विवरणों के जरिए ऋषिराज ने बहुत सलीके से 'दिल्ली की जीवनरेखाः दिल्ली मेट्रो' पुस्तक में संजोया है। मेट्रो मैन के नाम से विख्यात दिल्ली मेट्रो के कर्णधार ई. श्रीधरन की उपलब्धियों और उनकी कार्यकुशलता के बारे में भी पुस्तक में एक अध्याय है। इसके अलावा लंदन मेट्रो, पेरिस मेट्रो, टोरंटो मेट्रो और न्यूयॉर्क मेट्रो जैसी विदेशी मेट्रो सेवाओं से दिल्ली मेट्रो का तुलनात्मक विवरण भी दिलचस्प है। इस किताब में दिल्ली मेट्रो के आय के स्रोत, इसकी पर्यावरणीय संवेदनशीलता और इसके बारे में अति विशिष्ट लोगों के अनुभवों को भी अलग-अलग अध्यायों में संकलित किया गया है। डीएमआरसी में एजीएम (ऑपरेशंस) के पद पर कार्यरत लेखक ने अपने कार्यक्षेत्र से जुड़ी कुछ मधुर स्मृतियों को भी रोचक शैली में पुस्तक में दर्ज किया है। *

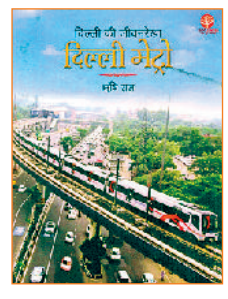

पुस्तकः दिल्ली की जीवनरेखाः दिल्ली मेट्रो,
लेखकः ऋषि राज, **मूल्यः** 460 रुपए,
प्रकाशकः नेशनल बुक ट्रस्ट, भारत

हाल में ही भारत (इसरो) और अमेरिका (नासा) के संयुक्त प्रयास से निर्मित हाईटेक स्पेस राडार सिस्टम-निसार को अंतरिक्ष में भेजा गया। यह पावरफुल सिस्टम धरती के हर हिस्से की बारीकी से तस्वीर लेने में सक्षम है। कैसे भेजा गया निसार, कैसे करेगा यह अपना काम और क्या हैं इसकी विशेषताएं, इस बारे में विस्तार से जानिए।

अंतरिक्ष से धरती पर रखेगा नजर
नया स्पेस राडार निसार

उपलब्धि / शिखर चंद जैन

निसार राडार, अंतरिक्ष विज्ञान की नवीनतम उपलब्धि है। यह अंतरिक्ष से हमारी पृथ्वी पर कुछ ऐसे ही नजर रखता है मानो कोई सीसीटीवी कैमरा 24 घंटे निगरानी रख रहा हो।

क्या है निसार राडार: यह एक सुपर उपग्रह है, जो दिन-रात, हर मौसम में हमारी पृथ्वी की तस्वीरें लेगा और हमें बताएगा कि हमारा ग्रह कैसे बदल रहा है। इसका पूरा नाम नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर राडार (निसार) है। इसे भारत की अंतरिक्ष एजेंसी इसरो और अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने मिलकर बनाया है। यह एक अंतरिक्ष यान जैसा है, जो पृथ्वी के चारों ओर चक्कर लगाएगा और हमारी धरती की तस्वीरें लेगा। लेकिन ये तस्वीरें कोई साधारण फोटोग्राफ नहीं होंगे। निसार एक खास तकनीक, जिसे सिंथेटिक अपर्चर राडार कहते हैं, का इस्तेमाल करता है। यह तकनीक इतनी शक्तिशाली है कि यह बादलों, बारिश, रात या दिन हर समय पृथ्वी की सतह की साफ-साफ तस्वीरें ले सकती है। यह उपग्रह हर 12 दिन में पूरी पृथ्वी को स्कैन करेगा और हमें ऐसी जानकारी देगा, जो पहले कभी इतने विस्तार से नहीं मिलती थी।

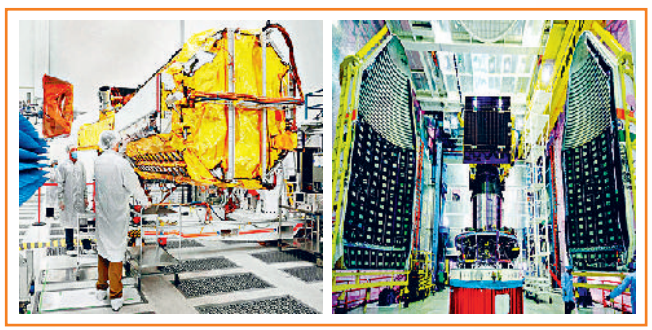

कैसे शुरू हुआ मिशन: अंतरिक्ष विज्ञान की दुनिया में निसार मिशन भारत और अमेरिका की वैज्ञानिक उपलब्धियों का एक शानदार उदाहरण है। इसरो और नासा ने 2014 में इस मिशन के लिए साझा काम शुरू किया था। दोनों ने मिलकर इस उपग्रह को डिजाइन किया, जिसमें दोनों देशों की तकनीकी ताकत का इस्तेमाल हुआ है। नासा ने इसमें एल-बैंड राडार, एक बड़ा 12 मीटर का एंटीना, जीपीएस रिसीवर और डेटा रिकॉर्ड करने के लिए सॉलिड-स्टेट रिकॉर्डर लगाया है। इसरो ने एस-बैंड राडार, अंतरिक्ष यान का मुख्य ढांचा (सैटेलाइट बस) और इसे अंतरिक्ष में भेजने के लिए जीएसएलवी-एफ 16 रॉकेट दिया। यह उपग्रह 2,392 किलोग्राम वजनी है, यानी यह एक छोटी कार जितना भारी है। इसे 30 जुलाई 2025 को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा में सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से अंतरिक्ष में भेजा गया।

निसार की विशेषताएं: निसार दूसरे उपग्रहों या राडारों से कई मामलों में अलग और विशिष्ट है। इसमें दो तरह के राडार हैं- एल-बैंड और एस-बैंड। ये दोनों मिलकर बहुत सटीक तस्वीरें लेते हैं। एल-बैंड लंबी तरंगों (24 सेंटीमीटर) का इस्तेमाल करता है, जो जंगलों और मिट्टी के अंदर तक देख सकता है। एस-बैंड छोटी तरंगों (12 सेंटीमीटर) का इस्तेमाल करता है, जो सतह की बारीक जानकारी देता है। यह हर मौसम में काम करने में सक्षम है। अंधेरा हो या उजाला, बारिश हो या धुंध, निसार हमेशा काम करता है, क्योंकि यह राडार तकनीक का इस्तेमाल करता है, न कि कैमरे का। इसका बड़ा एंटीना इसकी विशेषता है। निसार का 12 मीटर लंबा एंटीना सोने की परत वाली जाली से बना है। यह एक बड़े छाते जैसा लगता है। निसार हर 12 दिन में पूरी पृथ्वी का नक्शा बनाएगा और 242 किलोमीटर चौड़े क्षेत्र को स्कैन करेगा। यह सेंटीमीटर स्तर की सटीकता से बदलावों को देख सकता है। निसार से मिलने वाली जानकारी पूरी दुनिया के वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं के लिए मुफ्त उपलब्ध होगी।

निसार कैसे काम करता है: आप जरूर जानना चाहेंगे कि यह उपग्रह इतनी सटीक तस्वीरें कैसे खींच लेता है? दरअसल, यह राडार सिग्नल पृथ्वी की सतह की ओर भेजता है। ये तरंगें सतह से टकराकर वापस इसके पास पहुंचती हैं। वापस आने वाली तरंगों को निसार का एंटीना पकड़ता है। इससे यह पता चलता है कि सतह कैसी है- चट्टान, पानी, बर्फ या जंगल। इन सिग्नलों को कंप्यूटर की मदद से तस्वीरों में बदला जाता है। ये तस्वीरें इतनी साफ होती हैं कि छोटे-छोटे बदलाव भी दिख जाते हैं, जैसे कि एक पहाड़ का हल्का-सा खिसकना। फिर निसार अपने डेटा को पृथ्वी पर मौजूद स्टेशनों को भेजता है, जहां वैज्ञानिक इसे अध्ययन करते हैं।

निसार की जिम्मेदारी: निसार एक सुपर स्मार्ट उपग्रह है, जो पृथ्वी की सतह को बहुत ध्यान से देखता है। यह हमें बताएगा कि हमारी धरती में क्या-क्या बदलाव हो रहे हैं? इसके मुख्य दायित्वों होंगे-

प्राकृतिक घटनाओं पर नजर: निसार भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखी विस्फोट और भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं को समझने में मदद करेगा। यह हमें पहले से चेतावनी दे सकता है, ताकि लोग सुरक्षित रहें। यह उपग्रह ग्लेशियरों के पिघलने, समुद्र के स्तर में बढ़ोतरी और जंगलों में बदलाव को देखेगा। इससे हमें यह समझने में मदद मिलेगी कि हमारी धरती जलवायु परिवर्तन से कैसे प्रभावित हो रही है।

कृषि और जंगल की निगरानी: निसार मिट्टी की नमी, फसलों की स्थिति और जंगलों की कटाई की जानकारी देगा। यह किसानों को बेहतर खेती करने में मदद करेगा।

महासागरों और बर्फ की निगरानी: यह समुद्र में बर्फ, तूफान और जहाजों की गतिविधियों पर नजर रखेगा। साथ ही यह शहरों के विकास और सड़कों, पुलों जैसी संरचनाओं की स्थिति को भी देखेगा।

कब तक काम करेगा निसार: निसार को कम से कम तीन साल तक काम करने के लिए डिजाइन किया गया है। हालांकि उपग्रह में उपयोग होने वाली सामग्री को 5 वर्ष तक चलने के लिए डिजाइन किया गया है। इसका मतलब है कि प्राथमिक मिशन 3 साल तक चलेगा, लेकिन यदि आवश्यक हो तो इसे अतिरिक्त समय तक संचालित किया जा सकता है। यह पृथ्वी से 743 किलोमीटर ऊपर सूर्य-समकालिक कक्षा में चक्कर लगाएगा। इस कक्षा में यह हमेशा सूरज की रोशनी में रहेगा, जिससे इसे ऊर्जा मिलती रहेगी। इसका डेटा भारत और अमेरिका के वैज्ञानिकों के साथ-साथ पूरी दुनिया के साथ साझा किया जाएगा। *

अंतरिक्ष राडार का इतिहास

राडार का आविष्कार द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान हुआ था। मुख्य रूप से रॉबर्ट वाटसन को इसका श्रेय दिया जाता है। यह तकनीक रेडियो तरंगों का उपयोग करके वस्तुओं की दूरी, गति और दिशा का पता लगाने के लिए विकसित की गई थी।

शुरुआत में, राडार का उपयोग सैन्य उद्देश्यों के लिए किया गया, जैसे कि दुश्मन के विमानों का पता लगाना। राडार सिस्टम का उपयोग अंतरिक्ष यानों की स्थिति, गति और कक्षा को मॉनिटर करने के लिए किया गया।

पहचानें अपनी कमजोरियां
आत्मविश्वास से बढ़ें आगे

मनचाही सफलता पाने के लिए सबसे जरूरी गुण है आत्मविश्वास। और आत्मविश्वास तभी मजबूत होता है, जब आप अपनी कमजोरियों को स्वीकार करते हुए उन्हें दूर करने का प्रयास करते हैं। इस बारे में यूजफुल सजेशंस।

सेल्फ इंप्रूवमेंट
अंजू जैन

इस दुनिया में कुछ भी ऐसा नहीं है, जो संपूर्ण हो। चल-अचल, सजीव-निर्जीव हर रचना में कोई न कोई खामी है और किसी न किसी मायने में हर वस्तु, व्यक्ति, जीव और परिस्थिति अधूरी या कमजोर है। फिर ऐसा कैसे हो सकता है कि हमारे व्यक्तित्व, कार्यक्षमता, बौद्धिक-शारीरिक क्षमता या स्वभाव में कोई कमी न हो? इसलिए हमें अपनी कमजोरियों को लेकर विचलित, दुःखी या निराश होने की बजाय इनको पहचानना चाहिए और इनके प्रति सहज रहते हुए पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे की कार्ययोजना बनानी चाहिए।

अपने डर के साथ आगे बढ़ें: आत्मविश्वासी बनने के बारे में सबसे गलत धारणा यह है कि इसका मतलब है निडर होकर जीना जबकि आत्मविश्वास की वास्तविक परिभाषा इसके बिल्कुल विपरीत है। इसका मतलब है, हम हमारे लिए महत्वपूर्ण और मायने रखने वाले कामों को करते समय अपने भीतर की कमजोरियों और डर के साथ आगे बढ़ने को तैयार हैं। किसी बात को लेकर जब हमारे भीतर संशय हो और फिर भी हम आगे बढ़ने को तैयार हों तो इससे हमारा आत्मविश्वास बढ़ता है लेकिन अगर हम केवल वही काम करेंगे, जिसके बारे में हम आश्वस्त हैं तो हमारा आत्मविश्वास कभी पूर्व स्तर से आगे नहीं बढ़ सकता।

डर को हावी न होने दें: परिस्थितियों को अपने ऊपर हावी मत होने दें। दूसरा कोई नहीं, केवल आप खुद ही अपनी परिस्थितियों को बदल सकते हैं। हाल ही में फेमस एक्टर डायरेक्टर जैकी चान कहते हैं, 'जिंदगी हमें हराएगी लेकिन उससे मुकाबला करना जरूरी है।' फारसी कवि मौलाना मोहम्मद जलालुद्दीन रूमी ने कहा है, 'अपने जीवन के बेहद खराब दौर में हार ना मानें, क्योंकि यही से आपकी राह बदलेगी।' आपकी पीड़ाएं और कमजोरियां कुछ कहने की कोशिश करती हैं, इनको समझने की कोशिश करें। महत्वपूर्ण यह है कि आप इनकी आवाज को कितना समझते हैं और उस पर कितनी और कैसी प्रतिक्रिया देते हैं?

कमजोरी से दोस्ती करें: हमें यह पहचानना चाहिए कि हमारा डर हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में किस तरह से मदद कर सकता है? चर्चित पुस्तक 'व्हाई हैज नोबडी टोल्ड मी दिस बिफोर' में डॉ. जूली स्मिथ ने इस संदर्भ में बहुत गहरी बात कही है। उन्होंने लिखा है, 'आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए यह बेहद जरूरी है कि हम अपनी कमजोरी से दोस्ती करें, क्योंकि यह कुछ समय के लिए आत्मविश्वास के बिना रहने का एकमात्र तरीका है।' आत्मविश्वास तभी बढ़ सकता है, जब हम इसके बिना रहने को तैयार होंगे, जब हम डर के साए में कदम रख सकें। यही साहस हमारे आत्मविश्वास को जमीन से ऊपर उठाता है। साहस पहले आता है, आत्मविश्वास उसके बाद।

लोगों को न बताएं कमजोरियां: आपकी कमजोरियां आपकी टॉप सीक्रेट लिस्ट में होनी चाहिए। व्यवहार विशेषज्ञ कहते हैं, लोगों से अपनी तकलीफें और कमजोरी बताने की आदत ना डालें। किसी से ऐसा ना कहें कि आप बीमार रहते हैं और भीतर से टूट चुके हैं। ना ही किसी से अपनी विपरीत परिस्थितियों का जिक्र करें। अपने पुराने दुखों और संघर्षों की वजह से खुद को उदास और चिड़चिड़ा ना बनाएं। पुस्तक 'नो युअर हिडेन पोटेंशियल' में कहा गया है, कई लोग जानते ही नहीं कि वे बेचैन क्यों हैं? अपनी इच्छाओं और कमजोरी को पहचानना शुरू करेंगे तो अपनी ऊर्जा का बेहतर इस्तेमाल कर पाएंगे।'

व्यक्तित्व के हर पहलू को समझें: खुद को वैसे ही स्वीकार करें, जैसे आप हैं। अपने साथ प्रेमपूर्वक व्यवहार करें, जैसा कि आप दूसरों के साथ करते हैं। 'एक्नॉलेज द टोटेलिटी ऑफ योर बीइंग' में समझाया गया है कि आप अपने हर पहलू को स्वीकार करना सीखें। इससे आप खुद के प्रति नरम और सकारात्मक हो जाते हैं। जब हम अपनी नकारात्मक भावनाओं और कमजोरी को कोई अनहोनी बड़ी बात या डरने वाली बात मानना बंद कर देते हैं तो ये चीजें आपको ज्यादा निराश नहीं करतीं। इन्हीं के साथ अपनी शक्तियां और कमजोरियां भी नोट करें। *

अवेयरनेस
प्रभाकांत कश्यप

अगर आप किसी भी सोशल मीडिया या एप का यूज करते हैं तो आपको इससे जुड़े नियम-कानून के बारे में जानकारी जरूर रखनी चाहिए। इससे आप कई मुसीबतों से बचे रहेंगे।

इन नियमों को जरूर जानें
सोशल मीडिया यूजर्स

हालांकि 'डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट-2023' को 11 अगस्त 2023 को राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई थी, इसी के साथ यह औपचारिक रूप से कानून बन गया था। लेकिन इस साल 2025 में इसके नियम और क्रियान्वयन तेजी से लागू हो रहे हैं। इसलिए सोशल मीडिया यूज करने वाले हर भारतीय को इसकी जानकारी होना बेहद जरूरी है।

क्या है यह कानून: डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन कानून, 2023 भारत सरकार द्वारा बनाया गया एक कानून है, जो आपके निजी डेटा की सुरक्षा करता है, जैसे कि- आपका नाम, फोटो, मोबाइल नंबर, आधार नंबर, पैन कार्ड, हेल्थ रिपोर्ट, स्कूल/कॉलेज रिकॉर्ड, आपकी लोकेशन, बैंकिंग जानकारी और जो कुछ भी आपकी पहचान से जुड़ा है।

क्यों जरूरी है इसे जानना: भारत में आज लगभग हर व्यक्ति मोबाइल, एप्स, सोशल मीडिया, बैंकिंग और सरकारी सेवाओं में अपना निजी डेटा ऑनलाइन शेयर करता है- जैसे आधार संख्या, मोबाइल नंबर, लोकेशन डेटा, बैंक डिटेल्स, हेल्थ और एजुकेशन से जुड़ी जानकारी, फेशियल और बायोमैट्रिक डेटा आदि। इस कानून का मकसद है कि आपका डेटा सुरक्षित रहे और कोई भी कंपनी या संस्था उसे आपकी अनुमति के बिना इस्तेमाल न कर सके।

इस कानून की मुख्य बातें: इस कानून में कई प्रावधान किए गए हैं। जैसे- यह कानून भारतीय नागरिकों की डिजिटल सुरक्षा को प्राथमिकता देता है। आपकी अनुमति के बिना कोई भी आपका निजी डेटा नहीं ले सकता। आप किसी कंपनी से कह सकते हैं कि वो आपका डेटा डिलीट करे। जो कंपनी या संस्था आपका डेटा लेती है, वह इसके लिए जिम्मेदार होगी। 18 साल से कम उम्र वालों का डेटा और भी कड़ी निगरानी में रहेगा। कानून पालन न करने पर कंपनियों पर 250 करोड़ रुपए तक का जुर्माना हो सकता है। सरकार कंपनियों की डेटा प्रोसेसिंग भी बंद कर सकती है।

आम आदमी के लिए क्या मायने: इस कानून के जरिए अब आप जान सकते हैं कि कौन सी एप, बैंक या वेबसाइट आपका डेटा कैसे और क्यों इस्तेमाल कर रही है? आप अपना डेटा डिलीट करवाने या ट्रांसफर करने की मांग कर सकते हैं। आप सरकार या कंपनी से सवाल पूछ सकते हैं कि उन्होंने आपकी जानकारी कैसे ली और क्या किया?

इस कानून का मकसद: आपका निजी डेटा अब आपकी मर्जी के बिना, न कोई एप इस्तेमाल कर सकता है, न कोई वेबसाइट इसे सेव कर सकती है, न ही किसी कंपनी को बेचा जा सकता है।

आपको क्या अधिकार मिलते हैं: कोई भी एप/साइट आपके डेटा का इस्तेमाल आपकी इजाजत से ही कर सकती है। आप किसी भी कंपनी से अपना डेटा डिलीट करने को कह सकते हैं। अगर आपकी जानकारी गलत है, तो आप उसे ठीक करने की मांग कर सकते हैं। आप साफ मना कर सकते हैं कि आपका डेटा किसी और काम में इस्तेमाल न किया जाए।

इसलिए है जरूरी: अगर आप यह कानून नहीं जानते तो आपको कई तरह के नुकसान हो सकते हैं। आपका डेटा चोरी हो सकता है। आपकी बिना इजाजत कोई एप, आपकी लोकेशन, फोटो या कॉल लिस्ट चुरा सकता है। फ्रॉड कॉल/मैसेज बढ़ सकते हैं आपका नंबर बेचा जा सकता है, जिससे ठग आपको निशाना बना सकते हैं। बैंक फ्रॉड हो सकता है। आपकी निजी डेटा वायरल होने से शर्मिंदगी और तनाव हो सकता है।

आप क्या कर सकते हैं: कोई एप इंस्टॉल करने से पहले अनुमति जांचें। वेबसाइट पर 'प्राइवेसी पॉलिसी' पढ़ें। अपने डेटा के इस्तेमाल की जानकारी मांगें। अगर आपका डेटा गलत तरीके से इस्तेमाल हुआ है, तो डाटा प्रोटेक्शन बोर्ड में शिकायत करें। *

स्मरण
मनोज प्रकाश

जब भी दिल को छू लेने वाले कर्णप्रिय या भावनाओं से भरे दर्द भरे गीतों का जिक्र आता है, तो याद आते हैं बॉलीवुड के बीते सुनहरे दौर के लाजवाब गायक मुकेश। मुकेश की पुण्यतिथि (27 अगस्त) पर उनके गाए गीतों को याद कर रहे हैं लेखक।

सिर्फ दर्द भरे नहीं हर मूड के गीत गाने में बेमिसाल थे मुकेश

बॉलीवुड की गीत-संगीत की गंगा में जिन नामों की धाराएं बहती हैं, उनमें गायक के रूप में मोहम्मद रफी, किशोर कुमार और मुकेश सबसे विशिष्ट और लोकप्रिय माने जाते हैं। इनमें से मुकेश के गाने का अंदाज बहुत अनोखा और सीधे रूह को स्पर्श कर लेता है। उनके गाए सदाबहार गीत आज भी लोगों को पसंद आते हैं। मुकेश की आवाज तो कुछ एक्टर्स की पहचान से जुड़ गई थी तभी तो खुद राजकपूर ने मुकेश के निधन पर कहा था, 'मैंने आज अपनी आवाज को खो दिया है।'

प्रारंभिक जीवन: 22 जुलाई 1923 को दिल्ली में जन्मे मुकेश का पूरा नाम मुकेश चंद माथुर था। मुकेश ने दसवीं तक की औपचारिक शिक्षा ली। कुछ समय तक उन्होनें पीडब्ल्यूडी में काम किया। मुकेश का रुझान शुरुआत से ही गीत-संगीत की तरफ था। उन्होंने गायन के क्षेत्र में भी प्रयास आरंभ किया। शुरुआती संघर्षों के बाद मुकेश बॉलीवुड के सफलतम गायकों में से एक के रूप में गिने जाने लगे।

मुकेश को अपनी आवाज मानते थे राज कपूर

के. एल. सहगल से होती थी तुलना: कहते हैं, मुकेश की आवाज में कई बार लोग के.एल. सहगल की आवाज को तलाशते थे। दरअसल, मुकेश की गायनशैली काफी हद तक उनसे मिलती थी। मुकेश ने कुछ ऐसे गीत भी गाए हैं, जिनमें वही दर्द है, जो के.एल. सहगल के गाए गीतों में महसूस होता है।

दर्द भरे गीतों के आइकॉन: मुकेश के गाए गीतों में एक ऐसी कशिश होती है, जो हर किसी को उसे सुनने के लिए अपनी ओर खींच लेती है। मुकेश को खासकर दर्द भरे गीतों का आइकॉनिक सिंगर माना जाता है। दर्द भरे गीतों को गाने में उनकी आवाज में वास्तविक दर्द छलकता महसूस होता है।

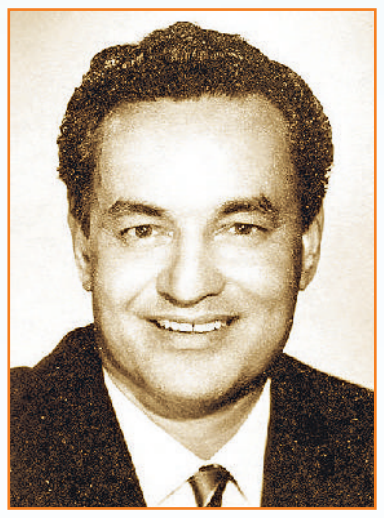

देश-विदेश में पाई लोकप्रियता: मुकेश के गाए गीतों को देश में ही नहीं विदेशों में भी खूब लोकप्रियता मिली। 'आवारा हूं या गर्दिश में हूं, आसमान का तारा हूं।' राज कपूर की फिल्म 'आवारा' का यह गीत भारत में ही नहीं तत्कालीन सोवियत संघ में भी खासा लोकप्रिय हुआ था। मुकेश का गाया गीत 'मेरा जूता है जापानी' महफिलों-पार्टियों की शान हुआ करता था। उस दौर के अनेक यंगस्टर्स अपनी पार्टियों में मस्ती के मूड में इस गीत को कोरस में गाया करते थे।

हर तरह के गीत गाए: मुकेश को आमतौर पर लोग उनके दर्द भरे गीतो के लिए जानते हैं। लेकिन यह मुकेश की वर्सेटाइल सिंगिंग एबिलिटी का एक हिस्सा मात्र था। हकीकत तो यह है कि मुकेश ने हर मूड, हर सिचुएशन के लिए कमाल के गाने गाए हैं। 'कभी-कभी मेरे दिल में ख्याल आता है', 'कहीं दूर जब दिन ढल जाए', 'सुहाना सफर और ये मौसम हसीं', 'मैं पल दो पल का शायर हूं', 'जाने कहां गए वो दिन', 'किसी की मुस्कुराहटों पे हो निसार', 'जीना यहां मरना यहां, इसके सिवा जाना कहां', 'कहता है जोकर सारा जमाना, आधी हकीकत आधा फसाना', 'मैंने तेरे लिए ही सात रंग के', 'इक दिन बिक जाएगा माटी के मोल' जैसे गीतों में मुकेश की गायकी के अलग-अलग आयाम देखे जा सकते हैं। पर्वों को खुशनुमा बनाने के लिए भी मुकेश ने कई गीत गाए हैं। 'ये राखी बंधन है ऐसा' उन्होंने लता मंगेशकर के साथ गाया। यह गीत आज भी रक्षाबंधन के अवसर पर खूब सुना जाता है।

फिल्म 'मिलन' के सीन में सुनील दत्त-नूतन

टॉप सितारों को दी आवाज: मुकेश को भले ही मुख्य रूप से 'राजकपूर की आवाज' के तौर पर जाना जाता रहा है, लेकिन मुकेश ने अपने दौर के लगभग सभी टॉप अभिनेताओं के लिए गाने गाए। राजकपूर के साथ-साथ मुकेश ने मनोज कुमार, दिलीप कुमार, राजेश खन्ना, राजेंद्र कुमार, अमिताभ बच्चन, सुनील दत्त आदि के लिए भी एक से एक मधुर गीतों का इंद्रधनुष बिखेरा। फिल्म 'हिमालय की गोद में' मनोज कुमार पर फिल्माया उनका गीत 'चांद सी महबूबा हो मेरी, कब ऐसा मैंने सोचा था', आज भी नई जेनरेशन के लवर्स गाते-गुनगुनाते हैं। फिल्म 'कटी पतंग' में राजेश खन्ना पर फिल्माया गीत 'जिस गली में तेरा घर न हो बालमा, उस गली से हमें तो गुजरना नहीं', आज भी लोकप्रिय है। लोकधुन से सजा मुकेश की सुरीली आवाज में फिल्म 'मिलन' का लोकप्रिय-कर्णप्रिय गीत 'सावन का महीना पवन करे सोर' सुनील दत्त पर फिल्माया गया। 'रात और दिन' में प्रदीप कुमार के लिए मुकेश ने 'रात और दिन दीया जले, मेरे मन में फिर भी अंधियारा है' गाया था।

चला गया बेमिसाल गायक: मुकेश, किशोर कुमार की तरह भले ही खिलंदड़ स्टाइल में नहीं गाते थे पर वह हल्के, रोमांटिक, भावपूर्ण तथा सहजता से भरे स्वर से जब किसी गीत को लय में पेश करते थे, तो श्रोताओं की सांसें थम जाती थीं और उनकी आवाज के साथ श्रोता खुद को मिलाने का प्रयास करने लगते थे।

वर्ष 1976 में मुकेश जब मिशिगन (यूएस) में एक प्रोग्राम देने गए थे तो उन्हें वहीं पर हार्ट अटैक हुआ और उनकी सांसें, 27 अगस्त 1976 को थम गईं। आज मुकेश स्मृति शेष जरूर हैं पर उनके गाए गीत दुनिया की फिजाओं में यही कह रहे हैं- 'जीना यहां-मरना यहां इसके सिवा जाना कहां.. ' *

नदी गाथा
वीना गौतम

पारिस्थितिकी-जनजीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है महानदी

दक्षिण से पूर्व की ओर बहने वाली महानदी, गोदावरी और कृष्णा की तरह ही देश की एक महत्वपूर्ण नदी है। जलप्रवाह की दृष्टि से यह भारत की दसवीं सबसे बड़ी नदी है और नदी घाटी क्षेत्रफल के अनुसार इसका स्थान छठवां है। यह देश की छठवीं सबसे बड़ी नदी घाटी है।

कृषि के लिए अत्यंत उपयोगी: इसकी लंबाई 858 किलोमीटर है और इसकी मुख्य सहायक नदियों में शिवनाथ, हसदेव, तेल, जोंक और मांड नदियां हैं। महानदी ओडिशा में एक विशाल डेल्टा बनाती है, जो कृषि के लिए अत्यंत उपजाऊ क्षेत्र है। इसका कुल जलग्रहण क्षेत्र 1,41,600 वर्ग किलोमीटर है। यह 53 फीसदी जलग्रहण छत्तीसगढ़ राज्य से करती है, जबकि 46 फीसदी जलग्रहण ओडिशा से करती है। शेष 1 प्रतिशत जलग्रहण क्षेत्र में महाराष्ट्र, झारखंड और आंध्र प्रदेश के विभिन्न हिस्से आते हैं। महानदी के जरिए छत्तीसगढ़ और उड़ीसा में लाखों हेक्टेयर भूमि की सिंचाई होती है और इसी नदी के जल से भिलाई के इस्पात संयंत्र के लिए पानी मिलता है और शहर के लिए पेय जल भी। 1957 में जब इस नदी पर सबसे बड़ा मिट्टी का बांध हीराकुंड बना, उसके बाद से इसकी बाढ़ भयावहता कम हुई है।

पर्यावरण के लिए महत्वपूर्ण: जहां तक महानदी की जैव विविधता का सवाल है तो महानदी का बेसिन अनेक जलजीव, पक्षी और पौधों की प्रजातियों के लिए जाना जाता है। विशेषकर ओडिशा में चिल्का झील इसकी महत्वपूर्ण जैव विविधतापूर्ण जलराशि है। महानदी अपनी आर्द्रभूमि और मैंग्रोव वनों के लिए भी जानी जाती है, जो कि कार्बन सिंक और जैव विविधता संरक्षण में अत्यंत सहायक हैं। महानदी के डेल्टा में बड़े पैमाने पर मछली पालन होता है। इस तरह यह ओडिशा के लिए एक बहुत बड़ा आर्थिक स्रोत है। महानदी में बना हीराकुंड बांध जलविद्युत और बाढ़ नियंत्रण में अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हुआ है। महानदी अभी बहुत कम प्रदूषित है, इस वजह से भी इसका पारिस्थितिकीय महत्व अन्य बड़ी नदियों से बढ़कर है। *